उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-25)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 22 जुलाई, 2024

अवैध कब्जे पर पार्षद ने हंगामा और नारेबाजी के बाद दिया ज्ञापन 8

बेरहम चाचा बना भतीजे का हत्यारा, दिनदहाड़े मारी गोली 6

पीएम मोदी की घोषणा

यूनेस्को के विश्व धरोहर केन्द्र के लिए दस लाख डॉलर देगा भारत

नई दिल्ली । नई दिल्ली में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सत्र का उद्घाटन किया। आपको बता दें कि भारत में पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। भारत मंडपम में यह सत्र 21 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा। इसमें 150 से अधिक देशों के 2000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।इस दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विश्व धरोहर समिति की बैठक में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। शेखावत ने कहा कि पीएम मोदी ने इस सम्मेलन में आकर समारोह की गरिमा को बनाए रखने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते वर्ष जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसके बाद पूरी दुनिया का ध्यान भारत पर केंद्रित हो गया था। इससे विश्व का भारत के प्रति नजरिया बदला है। एक तरफ, इस सम्मेलन में आधुनिक ज्ञान और विज्ञान में भारत के कौशल का प्रदर्शन होगा। इसके साथ

साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास से जुड़ी ऐतिहासिक धरोहरों और उनके रख-रखाव से जुड़े भारत सरकार के गंभीर प्रयासों को भी विश्व पटल पर दर्शाने में सफलता प्राप्त होगी। भारत अपनी सांस्कृतिक विविधताओं के लिए विश्व भर में अलग स्थान रखता है।'

पीएम मोदी ने यूनेस्को की महानिदेशक ऑद्रे अजोले का आभार जताया

विश्व धरोहर समिति की बैठक का अद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %आज भारत गुरु पूर्णिमा का पवित्र पर्व मना रहा है। मैं सभी देशवासियो× को अध्यात्म के इस वर्व की बधाई देता हूं। ऐसे अहम दिन आज विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की शुरुआत हो रही है। भारत में यह आयोजन पहली बार हो रहा है। स्वाभाविक है कि मेरे सहित सभी देशवासियों को इसकी विशेष खुशी है। मैं इस अवसर पर पूरी दुनिया से आए अतिथियों का स्वागत करता हूं। खासतौर पर मैं यूनेस्को की महानिदेशक ऑद्रे अजोले का भी धन्यवाद अदा करता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'मुझे विश्वास है कि हर वैश्विक आयोजन की तरह यह आयोजन भी भारत में सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ेगा। अभी मैं विदेशों से वापस लाई गई प्राचीन धरोहरों की प्रदर्शनी भी देख रहा था। बीते वर्षों में हम भारत की 350 से अधिक प्राचीन धरोहरों को वापस लाए हैं। प्राचीन धरोहरों का वापस आना, ये वैश्विक उदारता और इतिहास के प्रति सम्मान के भाव को दिखाता है। जैसे जैसे तकनीक बढ़ेगी, इस क्षेत्र में शोध और पर्यटन की अपार संभावनाएं बनेंगी। विश्व धरोहर समिति का ये कार्यक्रम भारत के लिए एक गौरवशाली उपलब्धि से जुड़ा है। मुझे बताया गया है कि पूर्वोत्तर भारत के ऐतिहासक 'मोइदम' के यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना प्रस्तावित है। यह भारत की 43वीं विश्व धरोहर और पूर्वोत्तर भारत की पहली धरोहर होगी, जिसे सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा मिल रहा है।'

ट्रेन के डिब्बे में आग बुझाने वाला केमिकल फैल जाने से धुआं उठने पर यात्रियों के बीच मची अफरा-तफरी

पटना। बिहार के समस्तीपुर स्टेशन पर ट्रेन संख्या-2565 दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के एक डिब्बे में रविवार की सुबह आग बुझाने वाला केमिकल फैल जाने से धुआं उठने पर यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मची गयी।समस्तीपुर रेल मंडल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सुबह नौ बजकर 21 मिनट पर समस्तीपुर स्टेशन पर पहुंची। लगभग नौ बजकर 45 मिनट पर जब ट्रेन प्रस्थान करने वाली थी तभी एक डिब्बे से धुआं उठने ?की शिकायत मिली।विज्ञप्ति के अनुसार, प्लेटफॉर्म और ट्रेन में कार्यरत रेलकर्मियों द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच की गयी तो पाया गया कि कोई यात्री उक्त डिब्बे में रखे गए अग्निरोधक यंत्र पर बैठ गया था, जिससे यंत्र दब गया और आग बुझाने वाला केमिकल फैल जाने से धुआं उठने लगा।बयान के अनुसार, इससे यात्री घबरा गए और उन्होंने शिकायत की। बाद में रेलकर्मियों द्वारा पूरी ट्रेन की जांच की गयी, किसी भी प्रकार की अन्य कमी नहीं पाए जाने पर लगभग 10 बजकर 28 मिनट पर ट्रेन को अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

यूजीसी नीट की दोबारा परीक्षा कराने पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नयी दिल्ली। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। मंत्रालय ने परीक्षा की शुचिता से समझौता होने की जानकारी मिलने के बाद यह निर्णय लिया था। मंत्रालय ने 19 जून को यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया था और मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। याचिका पर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ सुनवाई करने वाली है। अधिवक्ता उज्ज्वल गौर द्वारा दायर याचिका में यूजीसी-नेट परीक्षा की प्रस्तावित पुन-परीक्षा पर उस वक्त तक रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जब तक कि सीबीआई प्रश्नपत्र लीक के आरोपों की जांच पूरी नहीं कर लेती।याचिका में कहा गया है, ''याचिकाकर्ता का कहना है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के हालिया निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए (पुन-परीक्षा आयोजित करने का) यह निर्णय न केवल मनमाना है, बल्कि अन्यायपूर्ण भी है। सीबीआई की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि प्रश्नपत्र लीक का दावा करने वाले सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई है।'' याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि परीक्षा को अनावश्यक रद्द करने से उन अभ्यर्थियों को काफी परेशानी हुई ।

हिंसक प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण घटाया

ढाका । बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया। नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था। सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए थे। उच्चतम न्यायालय ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों तथा अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कई दिन से प्रदर्शन हो रहे थे और हालात बिगड़ने पर शनिवार को पूरे देश में कठोर कर्फ्यू लगा दिया गया।

राहुल गांधी को ओमन चांडी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पार्टी के दिग्गज नेता एवं केरल के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत ओमन चांडी की याद में स्थापित 'ओमन चांडी लोक सेवक पुरस्कार' के लिए चुना गया है।'ओमन चांडी फाउंडेशन' ने प्रथम 'ओमन चांडी लोक सेवक पुरस्कार' की घोषणा नेता की पहली पुण्यतिथि के तीन दिन बाद रविवार को की। इस पुरस्कार के विजेता को एक लाख रुपये की राशि और प्रसिद्ध कलाकार एवं फिल्म निर्माता नेमम पुष्पराज द्वारा बनाई गई प्रतिमा दी जाएगी।

यहां जारी एक बयान में कहा गया कि राहुल गांधी एक राष्ट्रीय नेता हैं, जिन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान निकाला।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक (बी.पी.साहू)
मो.8423454502,9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

दीपावली व छठ पूजा की
NEW SAHU FAMILY RESTAURANT
638y-1, Block Kidwai Nagar
Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur
Suresh Sahu
M.-8303637506, 9792526852
Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

संपादकीय

दहशत की आहट

जम्मू में आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन पर निकले जवानों को एक बार फिर आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जाना बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी। सोमवार को डोडा में हुए आतंकवादी हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों का बलिदान बताता है कि पाक समर्थित आतंकवादियों ने बदले हालात में हमले की रणनीति में बदलाव किया है। कश्मीर के बजाय जम्मू क्षेत्र में दहशत फैलाने की सोची-समझी साजिश रची है। यही वजह है पिछले करीब डेढ़ माह में देश ने जम्मू इलाके में ग्यारह जवानों को खोया है। वहीं दस नागरिक भी आतंकी हिंसा का शिकार बने हैं। बहरहाल, ये हालात उन दावों के विपरीत हैं जिसमें कहा जाता रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में आतंकवाद पर अंकुश लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सुनियोजित तरीके से घाटी के बजाय जम्मू को आतंकवादी घटनाओं के लिये चुना है। दरअसल, अब तक आतंक का केंद्र रही कश्मीर घाटी में सुक्षा चक्र मजबूत है। वहीं दूसरी ओर एलओसी पर सख्त नियंत्रण के चलते जम्मू से लगते इंटरनेशनल बॉर्डर को घुसपैठ के लिये चुना गया है। आतंकवादियों द्वारा सैनिकों को निशाना बनाने से साफ है कि पाक सेना के लोग आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वहीं कश्मीर में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन नये छद्म नामों से हमलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि जम्मू क्षेत्र में हालिया आतंकी गतिविधियों में वृद्धि की वजह यह भी है कि अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू इलाके में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य तैनाती को घटाया गया है। दरअसल, पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों से संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में सैनिकों को जम्मू से हटाकर लाइन ऑफ एक्चुएल कंट्रोल पर भेजा गया था। ऐसा चीन की भारी सैन्य तैनाती के बाद किया गया था।वैसे वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में बदलाव के बाद घाटी में कमोबेश आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई। लेकिन आतंकवादियों ने जम्मू में सुरक्षाबलों की कमी का लाभ उठाकर हमले तेज कर दिये। हालिया घटनाएं केंद्र सरकार को मंथन का संदेश देती हैं कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से स्थापित व्यवस्था में परिवर्तन के वक्त विपक्ष को साथ लेकर इस स्थिति को बदलने से उत्पन्न दूरगामी परिणामों पर विचार किया जाना चाहिए था, जिससे क्षेत्र के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती। वहीं दूसरी बात यह भी है कि ये हमले तब तेज हुए हैं जब केंद्र में मजबूत सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार आई है। पाक हुक्मरानों को ये मुगालता रहा है कि कमजोर केंद्र सरकार के दौर में वे अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं। वहीं हमले ऐसे वक्त में बढ़े हैं जब केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली की सरगर्मियां बढ़ी हैं। जम्मू-कश्मीर में हाल के लोकसभा चुनावों में बंपर मतदान हुआ था। जो पाक हुक्मरानों को रास नहीं आया।

आरक्षण की आग में झुलसता बांग्लादेश

छात्रों के दो समूहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा उदाहरण है।पूरे देश में गुरुवार को रेल और सड़क परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था। कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था। देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी। फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई। काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है। कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं।

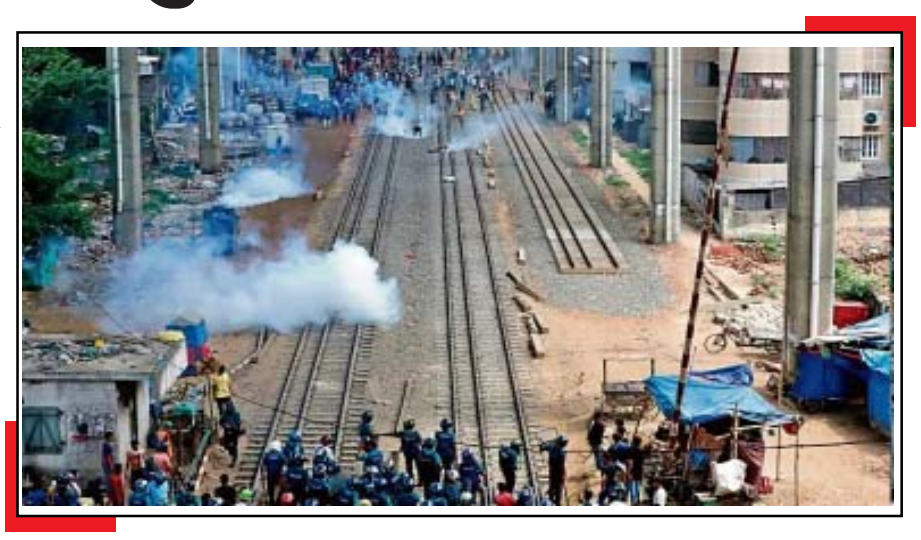

ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलते ही एक सूचना सामने आ जाती है, 'सारे वीज़ा अप्लीकेंट नोट कर लें, आज 18 जुलाई को हमारा 'आईवीएसी सेंटर' बंद है।' गुरुवार को सारे दूतावास और वाणिज्यदूत कार्यालय बंद ही रहे। इन देशों ने अपने नागरिकों को सावधान रहने, और फ़िलहाल बांग्लादेश नहीं आने की सलाह दे रखी है। कल 18 जुलाई को देशव्यापी बंद काफी हिंसक रहा है। ढाका उत्तर में पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई है। मीरपुर में एक छात्र और आवामी लीग का एक कार्यकर्ता मारा गया। देशव्यापी हिंसा में जिस पैमाने पर लोग घायल हुए हैं, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बांग्लादेश टेलीविज़न सेंटर को आग के हवाले कर दिया गया। छात्रों के दो समूहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा उदाहरण है।पूरे देश में गुरुवार को रेल और सड़क परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था। कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था। देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी। फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई। काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है। कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं। सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है।18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) को चार जिलों ढाका, बोगरा, राजशाही और चटगांव में तैनात किया गया था। चटगांव, राजशाही, रंगपुर, बोगरा, मैमनसिंह समेत कई जगहों पर बड़े पैमाने पर झड़पें हुई हैं। चटगांव के शोलशहर और मुरादपुर में संस्कार, छात्र लीग और जुबो लीग के बीच हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई। हिंसक प्रदर्शनों की चपेट में केवल छात्र ही नहीं, राहगीर और कारोबारी भी आ रहे हैं।'छात्र लीग', सत्तारूढ़ आवामी लीग की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना 4 जनवरी, 1948 को शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी, तब उसका नाम, 'ईस्ट पाकिस्तान स्टूडेंट लीग' था। उसे काउंटर करने के वास्ते 'बांग्लादेश जातीयताबादी छात्र दल' (जेसीडी) सड़कों पर दिखता है, जिसकी स्थापना, 1 जनवरी 1979 को बीएनपी के तत्कालीन नेता जनरल ज़ियाउर्रहमान ने की थी। जमाते इस्लामी की छात्र शाखा, 'बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर' समय-समय पर इनके साथ खड़ी दिखती है। छात्र आंदोलनकारियों के बहाने क्या खालिदा जिया की बीएनपी को अपना खोया जनाधार मिलेगा? विश्लेषक इसका उत्तर ढूंढ़ रहे हैं।बांग्लादेश के क़ानून मंत्री अनिसुल हक़ बोलते हैं, 'विपक्षी जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र विंग के सदस्य, आरक्षण विरोधी आंदोलन में कूद गए हैं। ये यही लोग हैं जिन्होंने हिंसा की शुरुआत की है। कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी है। छात्रों को भी मौक़ा दिया गया है कि वो कोर्ट के सामने अपनी दलील रख सकें।' सवाल यह है कि जब देशव्यापी आग लगी हो, तो सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर तत्काल सुनवाई क्यों नहीं कर सकती?

छात्र आंदोलन की आग में घी का काम शेख़ हसीना के हालिया बयान ने भी किया है। शेख़ हसीना ने आरक्षण का विरोध करने वालों के लिए 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल किया था। 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल कथित तौर पर उन लोगों के लिए क्या जाता है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। कई छात्र नेताओं का कहना है कि शेख़ हसीना ने 'रजाकार' से तुलना कर हमारा अपमान किया है।बांग्लादेश में आरक्षण की व्यवस्था मुक्ति संग्राम के बाद शुरू हुई। 5 सितंबर, 1972 को एक सरकारी आदेश में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति में 20 प्रतिशत योग्यता कोटा, 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा, और 10 प्रतिशत पीड़ित महिला कोटा की शुरुआत की गई। शेष 40 प्रतिशत जिला कोटा रखा गया। 1976 में योग्यता के आधार पर भर्ती को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया। 1985 में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी पदों के लिए 45 प्रतिशत योग्यता आधारित भर्ती नियम लागू किया गया, शेष 55 प्रतिशत कोटे से नियुक्त किये जाते हैं। बाद में दिव्यांगों के लिए 1 फीसदी जोड़ने पर कुल कोटा 56 फीसदी हो जाता है। यानी हर 100 पदों पर 56 प्रतिशत लोगों को कोटे से लिया गया।

नाराजगी की एक और बड़ी वजह यह थी कि कोटे के अभ्यर्थी नहीं मिलने पर पद खाली रखने पड़ते थे। सरकार ने जनरल कोटे से पदों को भरने की बात की थी, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ। युवाओं ने 2018 में भी 'कोटा सुधार आंदोलन' शुरू किया था। उसके हिंसक और बेकाबू होने पर शेख हसीना सरकार तब भी झुकी थी। 11 अप्रैल, 2018 को शेख हसीना ने संसद में कहा, 'जब कोई कोटा नहीं चाहता तो कोटा नहीं होगा, कोटा सिस्टम अमान्य है।' 2021 में कोटा रद्द करने के खिलाफ लोग कोर्ट चले गए। एक जुलाई, 2024 को ढाका हाईकोर्ट के जस्टिस केएम कमरुल कादर और जस्टिस खिजिर हयात की बेंच ने अधिकारियों को आरक्षण व्यवस्था फिर से लागू करने का आदेश दिया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

संभवत: दुनिया के किसी भी देश में स्वंत्रतता सेनानियों के बेटे-बेटियों, पोते-पोतियों को आरक्षण देने की सुविधा नहीं है। यह असामान्य और अनोखी व्यवस्था है, जिस पर बांग्लादेश में शुरू में कभी सवाल नहीं उठाया गया था। मुक्तियुद्ध मामलों के मंत्री मुज़्ज़म्मिल हक़ ने 25 मार्च, 2021 को 1 लाख 47 हज़ार, 537 स्वतंत्रता सेनानियों की सूची जारी की थी। इनमें से लगभग 50 हज़ार की इंट्री संदेहास्पद बताई जाती है। मुक्तिकामियों की तीन पीढ़ियों ने इन सुविधाओं का लाभ उठाया, अब चौथी और पांचवीं पीढ़ी को यही सुविधा देने की कवायद के पीछे शेख़ हसीना का वोट बैंक है। हसीना इसे स्थायी और भविष्य के लिए समर्पित देखना चाहती हैं। दरअसल, छात्र आंदोलन के दावानल को देखते हुए सत्तारूढ़ अवामी लीग को अपना सिंहासन डोलता नज़र आने लगा है। आवामी लीग महासचिव ओबैदुल क़ादर ने कहा भी, 'हमारे अस्तित्व पर हमला किया गया है, हमें धमकी दी गई है। हमें इस स्थिति से निपटना होगा। कार्यकर्ता वार्ड दर वार्ड तैयार हो जाएं।'

महंगे स्कूल में उनके बच्चे कैसे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं?

गोंदिया।उन्होंने यह भी घोषणा की कि पीएम ने प्रत्येक ग्राम प्रधान को पत्र लिखकर जमीनी स्तर पर भागीदारी और ग्रामीण क्षेत्रों में योग के प्रसार को प्रोत्साहित किया है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह श्रीनगर में आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता एक बार फिर पीएम करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष से अंतर्राष्ट्रीय योग पुरस्कार2024 की शुरुआत की करें तो,आयुष रा'य मंत्री ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया इस साल का प्रमुख कार्यक्रम श्रीनगर में होगा ब्रायन लिपि में सामान्य योग प्रोटोकॉल बुक को लांच किया गया दो संगठन भारतीय लोगों को और दो पुरस्कार विदेशी संस्थाओं को पुरस्कार दिया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग पुरस्कार 2024 की शुरुआत हो रही है।

साथियों बात अगर हम भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी रिपोर्ट 2023 को खारिज करने की करें तो,भारत ने इसे बेहद पक्षपातपूर्ण बताया है।28 जून 2024 को नई दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इसमें भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव है और यह स्पष्ट रूप से वोट बैंक के विचारों और एक निर्देशात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास अपने आप में आरोप-प्रत्यारोप, गलत बयानी,तथ्यों काचयनात्मक उपयोग, पक्षपाती स्रोतों पर निर्भरता और एकतरफा सोच का मिश्रण है, जिसमें अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ने की बात कही गई थी। एक खास तरह की नैरेटिव गढ़ने के लिए इस रिपोर्ट में चुनिंदा घटनाओं को चुना गया है।धार्मिक स्वतंत्रता पर ज्ञान दे रहे अमेरिका को भारत ने फिर लगाई फटकार, कहा- पुरानी घटनाओं के माध्यम से गढ़ा गया नैरेटिव। उन्होंने आगे कहा कि रिपोर्ट भारतीय न्यायालयों द्वारा दिए गए कुछ कानूनी निर्णयों की अखंडता को भी चुनौती देती प्रतीत होती है, जैसा कि पहले भी कई बार हुआ है,अमेरिका द्वारा जारी यह रिपोर्ट बहुत ही पक्षपातपूर्ण है। अमेरिकी रिपोर्ट अपने आप में आरोपों, गलत बयानी, तथ्यों के चयनात्मक उपयोग, पक्षपातपूर्ण स्रोतों पर निर्भरता और मुद्दों के एकतरफा प्रक्षेपण का मिश्रण है। रिपोर्ट में एक खास तरह की नैरेटेव को गढ़ने के लिए पुराने घटनाओं का हवाला दिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट स्पष्ट रूप से वोट बैंक के विचारों और एक निर्देशात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित है। हालांकि भारत इस तरह की रिपोर्ट्स को पहले से ख़ारिज़ करता रहा है।पहले के अपने बयानों में भारत के विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताया था।भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना था कि सालाना रिपोर्ट में भारत को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है।मालूम हो कि अमेरिका ने बुधवार को धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट जारी कर कहा था कि भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है। रिपोर्ट में भारत में अल्पसंख्यक समूहों पर हिंसक हमलों का आरोप लगाया गया है। इसमें मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई हिंसा का भी हवाला दिया गया है।और तनाव एवं नकारात्मकता को दूर करना सिखाता है।यह हमें अपने भीतर से जुड़ने तथा अपने जीवन में शांति और सद्भाव पाने में मदद कर सकता है।केंद्रीय आयुष रा'य मंत्री ने इस बात पर बल दिया है कि इस वर्ष का विषय स्वयं और समाज के लिए योग व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग की दोहरी भूमिका को परिलक्षित करता है।उन्होंने कहा,योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव को भी बढ़ावा देता है।हाल के वर्षों में लाखों लोगों की उत्साही भागीदारी जन-समुदायों पर योग के गहन प्रभाव को दर्शाती है।साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इतिहास की करें तो, इस प्रस्ताव को व्यापक समर्थन मिला। 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 69/1×1 को अपनाया जिसके तहत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2015 को मनाया गया था, जिसमें 190 से ज़्यादा देशों में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। तब से, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम बन गया है जिसे दुनियां भर के लोग मनाते हैं।अत: अगर हम उपरोक्तपूरेविवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024-स्वयं व समाज के लिए योग-हर घर योग।से अधिक लोग मारे जाते हैं।तम्बाकू न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि पर्यावरण पर भी कई तरह से बुरा प्रभाव डालता है।साथियों बात अगर हम तंबाकू सेवन से विभिन्न प्रकार की बीमारियां होने की करें तो,धूम्रपान और तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डालता है?तम्बाकू का सेवन और धूम्रपान हमारे स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित करता है, यह1निम्नलिखित घातक बीमारियों का कारण हो सकता है पाचन तंत्र का कैंसर जैसे जीईआरडी,अचलासिया कार्डिया (अग्न्याशय, पेट, मुंह, यकृत मलाशय, बृहदान्त्र और ग्रासनली) न्यूरोवैस्कुलर जटिलताएं और तंत्रिका संबंधी विकार के साथ साथ अन्य न्यूरो संबंधी रोग जैसे स्ट्रोक, मस्तिष्क की छोटी वाहिका इस्केमिक बीमारी(एसवीआईडी) और संवहनी मनोभ्रंश दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी मधुमेह क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) तपेदिक कुछ नेत्र रोगतम्बाकू पर्यावरण को कैसे प्रभावित कर रहा है?विश्व भर में हर साल तम्बाकू उगाने के लिए लगभग 35 लाख हेक्टेयर भूमि नष्ट कर दी जाती हैतम्बाकू की खेती से हर साल 2, लाख़ हेक्टेयर वनों की कटाई होती है और मिट्टी का क्षरण होता है। दुनियां भर में हर साल लगभग 4.5 लाख करोड़ सिगरेट बट का उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाताहर साल 80 करोड़ किलोग्राम जहरीला कचरा पैदा होता है और हवा पानी और मिट्टी में हजारों रसायन छोड़े जाते हैंतम्बाकू की खेती के लिए बड़ी मात्रा में पानी का उपयोग, ग्रह से पानी की कमी होती है।

किशन सनमुख़दास भावनानी

रीवा में दो महिलाओं को जिंदा दफन करने की कोशिश

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में दबंगों द्वारा दो महिलाओं को जिंदा दफनाने का मामला सामने आया है। ये महिलाएं निजी जमीन पर जबरन सड़क निर्माण का विरोध कर रही थीं। हालांकि समय रहते दोनों महिलाओं को बाहर निकाल लिया गया है। तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। एक की गिरफ्तारी भी हो गई है।

जानकारी के अनुसार बता दें कि घटना रीवा जिले के मनगवां थाना क्षेत्र के गगेव चौकी अंतर्गत हिनौता जोरौट गांव की है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कांग्रेस नेता ने भी इसे शेयर कर सवाल उठाए हैं।बता दें कि निजी जमीन पर सड़क बनाने की कोशिश की जा रही थी। इसी बात का आशा पाण्डेय और ममता पाण्डेय सहित अन्य महिलाएं विरोध कर रहे थीं। जैसे ही सड़क पर मुरम डालने के लिए डंपर आगे बढ़ा, तो महिलाएं उसके पीछे खड़ी हो गईं। उसी दौरान डम्पर चालक ने मुरम से भरी ट्रॉली इन महिलाओं के ऊपर खोल दी और महिलाएं मुरम के नीचे दब गईं। ग्रामीणों की मदद से मुरम में दबी महिलाओं को बाहर निकाला गया। मुरम से निकलने में थोड़ी भी देरी होती तो महिलाओं की मौत हो सकती थी। एएसपी विवेक लाल ने बताया कि मामला सामने आया है। सड़क निर्माण का महिलाएं विरोध कर रही थीं। उसी दौरान मुरम में दब गईं। थाने में शिकायत दर्ज की गई है। इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी सामने आई है कि तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि यह एक पारिवारिक विवाद है। इस प्रकरण में पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। आरोपी विपिन पांडेय को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

निष्पक्ष जांच की उम्मीद अब कहां है ?

पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

बड़ी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा है बहुत मायने रखती हैं और बहुत कमाई का जरिया भी पनपती है।उत्तर प्रदेश 2011 टीईटी मेरिट घोटाला और मध्यप्रदेश प्रदेश में व्यापम काफ़ी चर्चित रहे। जो इस प्रकार के धांधली के जीते जागते गवाह थे। इसकी नाटकीय कितनी जांच पड़तालें चली पर सब धुआं बन के उड़ गई। सुधार ये हुआ कि व्यापम नाम बदल दिया गया और 2011 के योग्य बेरोजगार आज भी दर दर की ठोकरे खा रहें। पिछले सालों में यहां पटवारी भर्ती परीक्षा का हाल भी ठीक नीट की तरह ही था एक सेंटर से पांच छै ढपोरशंख मेरिट में आए, जाँच कराइये देखिए जितने लेखपाल बने है सब जुगाड़ से बने है। ऐसे टॉपरो से ज़ब पत्रकार मिलने पहुंचे तो उनमें से चयनित उम्मीदवार सामान्य यूपी और मध्यप्रदेश की जानकारी और पेपर में आए सरल सवाल के उत्तर नहीं दे पाए मुंह चुराते रहे और कुछ भाग खड़े हुए। तब भी खूब विरोध हुआ पर हुआ कुछ नहीं वे सब सरकारी नौकरी शान से कर रहे हैं।

नीट और नेट दोनों परीक्षाओं ने सरकारी एजेंसियों की पोल खोल कर रख दी। पेपर लीक को लेकर जो विवाद सामने आया है वह नया नहीं है आहिस्ता आहिस्ता उसका एक बड़ा स्वरूप कुछ गलतियों के कारण अब खुलकर सामने आया है। इससे पहले भी यह होता रहा पर सब गुपचुप तरीके से पर तब सारी व्यवस्था नीट और क्लीन ही समझी जाती रही। नीट परीक्षा की सुचिता पर अनगिनत सवाल उठाए गए। नीट में जो कुछ हुआ उसके तमाम सच सामने आ गए हैं किन्तु यदि कार्रवाई भी हुई तो वह किसी अदने कारखास पर होकर समाप्त हो जाएगी या पुन: परीक्षा की एक नौटंकी। आला अधिकारी एक बार फिर बच जायेगा राम गोविन्द चौधरी की तरह। तिकड़मी लोगों के गिरोह इस दस साल में इतने पनपे हैं कि उन्हें किसी का डर नहीं। इन तिकड़मी लोगों को विपक्ष से जोड़कर देखें तो यह इंगित करता है कि किस तरह हर तरह के षड्यंत्रों और घपलों की इसे खरीदने वालों को दी गई है। जब विज्ञापन 48 और 50 की हायर एजुकेशन के सीटे पचीस पचीस लाख में बिकने की खबर वायरल हुईं उससे अब यें नीट या नेट परीक्षा में जो कारगुजारियां दिखाई दी हैं वह तो सामान्य ही लगती हैं।सब जांच के घेरे में आनी चाहिए। पर निष्पक्ष जांच की उम्मीद अब कहां है ? जहां तक पेपर लीक का मामला है वह नया नहीं है सब चल रहा है बरसों से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात प्रदेशों की बोर्ड परीक्षाओं में जब शिक्षकों से यह कहा जाता है कि रिजल्ट बिगड़ा तो उसकी खैर नहीं तो वह विद्यार्थियों के लिए नकल की तरकीबें निकाल लेता है मेरिट चाहिए तो वह भी। आसान तरीका बता देता है कि फलां फलां सेंटर में इतने लाख जमा करो परीक्षा में बैठो और जैसा चाहो वैसा रिजल्ट बनाओ। ये सब खुलेआम होता रहा किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो नीट जैसी परीक्षाएं कैसे अछूती रह सकती हैं। बाकी पुलिस से पिटे लोग ठगे से घर में बैठे हुए हैं। इस दौर में चुनावों के आस पास वोट लालच में राज्यों में नौकरियां दबाव वश साजशि के तहत खूब खूब निकाली जाती रहीं आवेदन के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लंबी फीस वसूली गई। परीक्षाएं सालों बाद विलंब से हुई फिर पेपर आउट किए जाते रहे परीक्षाएं निरस्त होती रहीं 2011 के शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए तीन-तीन बार आवेदन शुल्क वसूला गया, करोड़ों लूट लिए गए बेरोजगार छात्रों से पर रोजगार किसी को नहीं मिला उनकी उम्र निकल गई। मिडिया ने इस मुद्दे को खूब सिलसिलेवार उछाला पर इक्का दुक्का परीक्षा के सिवा कोई बात नहीं बनी। आज़ नीट और नेट परीक्षा के प्रभावित छात्र आंदोलन रत हैं विपक्ष उनके साथ खड़ा है पर क्या इस सरकार से आप उम्मीद कर सकते ह

" जो पिछले ओवर एज बेरोजगार है उन्हें बुलाकर ससम्मान नौकरी दें सकती है ! ईडी, सीबीआई वगैरह कब ऑफिस बाबुओ और बड़े अधिकारीयों के घर छापेमारी करेंगी ! इस प्रणाली के ज़रिए येन-केन प्रकारेण फिर कोई सीन नहीं होगा क्या गारंटी ! नीट और क्लीन शिक्षा और रोजगार की हमारी उम्मीदें समाप्त है और युवाओं के भविष्य की बुनियाद ना केवल परीक्षाओं से बल्कि हमारे चर्चाओं से समाप्त हो जाएगी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

जुलूस ए हुसैनी शान ओ शौकत से निकाला गया

कानपुर। मोहर्रम की 10वीं तारीख को जां निशार हसन कमेटी कबीर नगर बरकाती मस्जिद मछरिया जुलूस के संचालक पीर मोहम्मद (रावण वाले) ने दोपहर लगभग दो बजे जुलूस को बरकाती मस्जिद से उठाकर क्षेत्रीय मोहल्लों में घुमाते हुए लगभग शाम के मछरिया कर्बले में ताजियों को दफन किया। जिसमें क्षेत्रीय लोगों ने जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। आपसी तालमेल के चलते पीर मोहम्मद ने अपना जुलूस मछरिया चढ़ाई प्राइमरी स्कूल पर रोक दिया था। चूंकि जामा मस्जिद का जुलूस काफी करीब आ पहुंचा था। इस कारण जुलूस को आपसी सहमति से पहले उसको निकाल दिया। फिर अपना जुलूस कर्बले तक ले गए ।

कानपुर। मोहर्रम की 10वीं तारीख को जुलूस ए हुसैनी मछरिया के जामा मस्जिद से जुलूस का आगाज हुआ। जिसमें कुछ लोकल मोहल्ले से होता हुआ जुलूस शाम लगभग आठ बजे मछरिया कर्बले में ताजिया दफन हुए। जुलूस के संचालक कल्लू पान वाले, मोहम्मद अनीस उर्फ काजू, इमरान सिद्दीकी, तारिक, अनवर, रईस और तमाम अकीदतमंदों ने जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दिया।

जुलूस ए हुसैनी का इस्तकबाल करते क्षेत्रीय लोग

क्षेत्रीय लोग अकीदतमंदों को पानी बांटते हुए

जुलूस ए हुसैनी को शांति व्यवस्था के साथ संपन्न कराने के बाद एसीपी नौबस्ता व थाना नौबस्ता का समस्त स्टाफ चैन की मुद्रा में

मोहर्रम की 10 तारीख को दक्षिण के इमाम बारगाह श्री जाहिद अली मकान नंबर 5 बी-248 आवास विकास हंसपुरम नौबस्ता से अलम व ताजिया का जुलूस समय 11 बजे दिन से प्रारंभ होकर पप्पू टेंट हाउस होता हुआ रमजानी चौराहा से जामा मस्जिद, जामा मस्जिद टैंपो स्टैंड पर आधे घंटे मातम हुआ और मातम करते हुए मछरिया बाजार होते हुए कर्बला पहुंचा। लगभग दोपहर के 1:30 बजे समाप्त हुआ।

मुहर्रम के जुलूस में लगे आपत्तिजनक नारे, वीडियो वायरल, पुलिस ने शुरू की जांच

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर के जूही क्षेत्र में मुहर्रम के जुलूस के दौरान आपत्तिजनक नारे लगाने का एक वीडियो मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो जूही वार्ड की भाजपा पार्षद के घर के सामने का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

पिछले दिनों शहर के कई हिस्सों में मुहर्रम के जुलूस निकले। इसी दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कुछ युवक आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए नारे लगाते दिख रहे थे। हालांकि रात का वीडियो होने की वजह चेहरे स्पष्ट नहीं थे। परमपुरवा पुलिस चौकी के पास रहने वाली वार्ड 16 जूही की भाजपा पार्षद विद्या वर्मा के बेटे शरद वर्मा का दावा है कि वीडियो उनके घर के सामने का है। 13 सेकेंड के इस वायरल वीडियो के संबंध में वर्मा का आरोप है कि शरारती तत्वों ने माहौल बिगाड़ने के लिए नारेबाजी की थी। ऐसे लोगों के खिलाफ थाने में तहरीर देंगे। उधर, जूही थाना प्रभारी मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि वीडियो कब और कहां का है, इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी साउथ को जांच के दिए आदेश

जो वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, उसकी सत्यता जानने को डीसीपी साउथ को जांच के आदेश दिए गए है। जो दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। – हरीश चंदर, एडिशनल सीपी, कानून व्यवस्था

घंटाघर चौराहे पर झंडा आगे निकालने को लेकर भिड़े युवक, दो गुट में चले डंडे व लात-घूंसे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुहर्रम के जुलूस के दौरान मंगलवार देर रात घंटाघर चौराहे पर झंडा आगे निकालने को लेकर युवकों के दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे को दौड़ाकर लात-घूंसे, बेल्ट और डंडों से पीटा। इस दौरान वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मौके पर मौजूद पुलिस अफसरों ने किसी तरह स्थिति को संभाला और जुलूस आगे बढ़वाया। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।मंगलवार रात को मुहर्रम का जुलूस लेकर करीब 100 लोग एक्सप्रेस रोड से कलक्टरगंज की तरफ जा रहे थे। जुलूस देर रात घंटाघर चौराहे पर पहुंचा। इस दौरान जुलूस में एक ही दो पक्ष गाड़ी और झंडा आगे निकालने को लेकर आमने-सामने आ गए। कहासुनी के साथ ही दोनों गुटों में गाली-गलौज और फिर मारपीट शुरू हो गई।

दोनों ओर से करीब 10 मिनट तक जमकर लाठी-डंडे व बेल्ट चलीं। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों के कई लोगों को चोटें भी आईं। झगड़े के दौरान घंटाघर से आ-जा रहे लोगों में अफरा-तफरी का स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद पुलिस अफसरों ने दोनों पक्षों के लोगों को समझा कर विवाद शांत कराया। इसके बाद जुलूस आगे बढ़ा। हरबंश मोहाल थाना प्रभारी विक्रम सिंह का कहना है कि किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।युवकों के दो पक्षों में बीच सड़क हुई मारपीट के नि वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। तीनों वीडियो में युवक एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते दिखाई दे रहे हैं। साथ ही कुछ लोग व पुलिस कर्मी रोकने का प्रयास भी करते दिख रहे हैं।

पत्रकारों को मिले 20 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सुविधा

कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित ने सांसद रमेश अवस्थी को मांग पत्र देकर बताई समस्याएं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं टीवी चैनल के प्रभारी अवनीश दीक्षित ने पत्रकारों की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर नवनिर्वाचित सांसद रमेश अवस्थी मिलकर मांग पत्र दिया है। अवनीश दीक्षित ने कहा कि पत्रकारों द्वारा सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अराजक तत्वों के विरूद्ध खबरों को उजागर करने में उन्हें निरंतर धमकियां मिलती रहती हैं और उनके साथ मारपीट एवं अन्य कई दुर्घटनाएं भी होती है। जिससे कई कलमकार अपनी जान भी गवां चुके हैं। कुछ साल पहले कानपुर में हमारे एक दिवंगत पत्रकार नवीन गुप्ता के परिवार को 10 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी थी। इसके अलावा भी समय-समय पर कानपुर के दर्जनों आर्थिक रूप से पहुंचाई है। पत्रकारों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय होती है, जिसके कारण उन्हें अपना व परिजनों का गुजारा करने में भी काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है. इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा हेतु पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करना अति आवश्यक है। इसके साथ ही उनका बीस लाख तक का कैशलेस ईलाज, नए पत्रकारों को रू. 10,000 एवं 20 वर्ष तक कार्य कर चुके वरिष्ठ पत्रकारों को रू. 25,000 प्रतिमाह गुजारा भत्ता, एक करोड़ तक का जीवन बीमा, उन्हें अन्य योजना से लाभान्वित करना एवं आवास विकास व विकास प्राधिकरण के माध्यम से नो प्रॉफिट नो लॉस के आधार पर भवन/प्लॉट/फ्लैट उपलब्ध कराया जाना जनहित में है।

विद्यालयों में ड्रॉप आउट को कम करने के निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेहतर शिक्षा को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग सख्त हो गया है। अब परिषदीय स्कूलों में 30 दिन से ज्यादा अनुपस्थित रहने वाले और किसी भी परीक्षा में 35 फीसदी से कम नंबर आने वाले विद्यार्थियों को आउट ऑफ स्कूल की श्रेणी में रखा जाएगा। इस बारे में महानिदेशक बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जिला बेसिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक जनपद में छह से 14 साल का कोई बालक नामांकित नहीं है तो वह बिना विद्यालय का माना जाएगा। नामांकन के एक साल में लगातार 30 दिन अनुपस्थित रहता है तो उसे आउट ऑफ स्कूल माना जाएगा। अगर वार्षिक मूल्यांकन में 35 फीसदी से कम नंबर मिले हैं तो ऐसे बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं चलाई जाएंगी।

हर महीने बैठक होगी-देहात के बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि स्कूल में बच्चों की उपस्थिति पर निगरानी रखने के लिए हर महीने प्रधानाध्यापक और शिक्षकों की बैठक होगी। ऐसे बच्चों की भी निगरानी होगी जो लगातार अनुपस्थित रहते हैं। इसके बाद अध्यापक बच्चे के माता-पिता की काउंसिलिंग करेंगे और अभिभावकों को जागरुक करते हुए बच्चे को रोजाना स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करेंगे।

बिल्हौर में दो दोस्तों के शव तालाब में मिले, परिजनों में कोहराम

निखिल पाल (फ़ाइल फ़ोटो)

अनुराग (फ़ाइल फ़ोटो)

घर से साइकिल चलाने निकले दो जिगरी दोस्त संदिग्ध परिस्थितियों में हुए थे अचानक लापता

परिजनों ने हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई थी

बीपीएस न्यूज

बिल्हौर। बुधवार शाम घर से एक साथ बिना बताये साइकिल चलाने निकले दो दोस्त अचानक लापता हो गए। दोनों बच्चों के परिजनों ने काफ़ी खोजबीन की ।लेकिन कोई अता पता नहीं चल सका। थक हारकर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई ।उसके अगले दिन गुरुवार को गांव से थोड़ी दूर कुछ लोग जानवर चराने के लिए गए थे। उन लोगों ने दो मासूम बच्चों का शव तालाब में उतराता देखा तो सन्न रह गए ।शव मिलने की सूचना पर पहुँचे बच्चों के परिजन शव देख चीख उठे और फूट फूटकर रोने लगे।

जानकारी मुताबिक बिल्हौर कोतवाली के ऐमा उधौ निवादा गांव के रहने वाले सुरेश पाल का इकलौता आठ वर्षीय बेटा यशु उर्फ़ निखिल की गांव के ही अनुज पाल के दस वर्षीय पुत्र अनुराग से दोस्ती थी। बुधवार शाम तकरीबन 6 बजे घर से बिना बताये अनुराग अपनी साइकिल लेकर अपने दोस्त यशु के घर के बाहर पहुंचा। दोनों साइकिल चलाते हुए संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक गायब हो गए । देर शाम तक ज़ब दोनों अपने घर नहीं पहुँचे तो दोनों के परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। काफ़ी खोजबीन के बाद परिजनों ने उनके साथ अनहोनी होने की आशंका जाहिर करते हुए बिल्हौर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी ।

दानव से भी बदतर हो गया मानव!

बीपीएस न्यूज

कानपुर। विज्ञान ने जब तक अपना विनाशकारी अविष्कार नहीं किया था तब तक गौवंश का पुरुष अवतार ही धरती का सीना चीर कर मानव जाति का पेट भरता रहा है... लेकिन जब से मानव के पास जुताई करने के लिए आधुनिक मशीन आ गई है तब से मानव ने नंदी या बैल का वैसे ही निकलकर फेंक दिया जैसा घी में से मक्खी!

आप खुद से प्रश्न किजिए और खुद ही अपने मन को उत्तर दीजिए... प्रश्न यह कि अगर कोई व्यक्ति आपके कई पूर्वजों का पेट भरता रहा हो... और आपको भी उसने बचपन में धरती का सीना चीर कर अन्न उत्पन्न कर खिलाया हो....और अब वह आपके किसी काम का ना रहा हो तो आप उसके साथ क्या करेंगे...क्या उस पर धारदार हथियार से हमला कर उसे तड़पता छोड़ जाएंगे...अगर आप ऐसा करते हैं...तो आपको क्या मानव कहा जाए ?इस बात का जवाब आप खुद को दीजिए... !दरअसल रेउना थाना क्षेत्र के कोरों गांव में एक सांड को बरछी से मारकर मार डाला गया...यह खबर कुछ दिनों तक सुर्खियों में भी रही क्योंकि सांड पालतू था... !यह कोई पहली घटना नहीं है जब मानव के द्वारा दानव से भी भयंकर दानवता दिखाई गई... इस तरह कि घटनाएं अक्सर निकलकर सामने आती रहती हैं !क्या यही है रामराज्य,क्या यही है मानवता का धम..' क्या यही है किसी के वर्षों पुराने अहसान का बदला !यह तो कुछ वैसी ही बात हो गई... जिस पिता ने आपको पूरी उम्र कमाकर खिलाया है... जब वह बुजुर्ग जा जाए... और आपके किसी काम का नहीं रहे... ।

विधवा बुजुर्ग की जमीन पर दारोगा का कब्जा

बुजुर्ग महिला ने कल्याणपुर एसीपी से लगाई न्याय की गुहार

देते हुए बिठूर प्रभारी को जांच कर कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना बिठूर नसनिया गांव निवासी बुजुर्ग महिला आज एक कल्याणपुर एसीपी कार्यालय पहुंची जहां महिला ने एक रिटायर्ड दरोगा पर जमीन कब्जा करने का आरोप लगाया है। एसीपी ने जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है ।एसीपी कल्याणपुर अभिषेक कुमार पाण्डेय से न्याय की आस लेकर पहुंची 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला उर्मिला ने बताया कि बिठूर थाना क्षेत्र के नसनिया गांव में उसकी जमीन है जो पति के नाम दर्ज थी पति की मौत के बाद बेटे के नाम दर्ज हो गई। लेकिन क्षेत्र के बलराम सिंह ने कूट चरित तरीके से फर्जी कागजात बनवाकर एक रिटायर्ड दरोगा महेश चंद्र दुबे के नाम जमीन बैनामा कर दी। बिना कागजात के महेश चंद्र दुबे ने उसकी जमीन में जुताई चालू कर दी जिसका विरोध उसने और उसके बेटों ने किया। जिसके बाद महेश चंद्र ने वहां से खदेड़ दिया और दोबारा खेत पर आए तो जान से मार देने की धमकी दी। एसीपी कल्याणपुर ने बुजुर्ग को आश्वासन

बच्चे अगर बार-बार चलाए मोबाइल और लैपटॉप तो हो जाएं सावधानः डा. शरद बाजपेई

कानपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों का हुआ निशुल्क नेत्र परीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर । बच्चे अगर बार-बार मोबाइल और लैपटॉप चलाए तो हो जाइए सावधान । भविष्य में बच्चे परेशानी का शिकार हो सकते है । यह बात आज वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शरद बाजपेई ने कानपुर प्रेस क्लब में आयोजित निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में कही । कनिका हॉस्पिटल व लिटिल चैम्पस किड्स आई केयर सेंटर और कानपुर प्रेस क्लब के सयुक्त तत्वावधान मे आयोजित शिविर में पत्रकार व उनके परिजनों का बड़ी संख्या में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण का किया गया। शिविर में लगभग 250 लोगो की वरिष्ठ चिकित्सकों ने जांच करने के साथ ही उन्हें उचित सलाह भी दी। इस दौरान लोगो को दवाइयां और चश्मे में वितरित किए गए। बताया गया की जिसकी भी आंखों में ऑपरेशन की जरूरत है तो उनका ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा। अपने संबोधन में डॉ. शरद बाजपेई ने कहा कि वर्तमान समय में ऑनलाइन वर्क ज्यादा होने के चलते मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है । ऐसे में लोग पलके कम झपकाते है । जबकि पलके झपकने से एक लिक्विड तैयार होता है , जो हमारी आंखों को सुरक्षित रखता है । तो इस बात का लोगो ध्यान रखना चाहिए । उन्होने कहा की नेत्र हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। बड़े लोग तो अपनी तकलीफ बता सकते है लेकिन नन्हे मुन्ने बच्चे हैं जो बता नहीं सकते हैं , उनकी नेत्र में समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। डाक्टर शरद बाजपेई के मुताबिक मोतियाबिंद , ग्लूकोमा , सहित कई अन्य बीमारियों का लोग शिकार हो जाते है। इसलिए नेत्र की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और समय-समय पर जांच करवाते रहना चाहिए। कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष सरस बाजपेई ने बताया कि हम लोग को अपनी आंखों का ख्याल रखना चाहिए , जिससे कि हम लोग को कोई समस्या न हो । उन्होंने यह वादा किया की भविष्य में भी ऐसे शिविरो का आयोजन होता रहेगा । महामंत्री शैलेश अवस्थी , कोषाध्यक्ष सुनील साहू ने भी अपने विचार रखे। शिविर के दैरान कानपुर प्रेस क्लब की कमेटी ने प्रतीक चिन्ह देकर डॉक्टर शरद बाजपेई को सम्मानित किया। शिविर में आशुतोष बाजपेई , योगेश बाजपेई , डॉ. राजेंद्र कुमार सक्सेना, अनुराग गुप्ता,शिवांग त्रिपाठी,दीपक पटेल,मोहित निषाद सहित पूरी टीम ने नेत्र परीक्षण में मुख्य भूमिका निभाई । इस मौके पर कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष सरस बाजपेई ,महामंत्री शैलेश अवस्थी ,कोषाध्यक्ष सुनील साहू , पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित,पूर्व महामंत्री कुशाग्र पांडेय,,वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत,उपाध्यक्ष मनोज यादव,वरिष्ठ मंत्री मधुर मोहन दुबे,मंत्री शिवराज साहू,कार्यकारिणी सदस्य ,कौस्तुभ शंकर मिश्रा,गगन पाठक,दीपक सिंह , मयंक मिश्रा,उत्सव शुक्ला,मोहम्मद नौशाद , अखलख अहमद, सतीन्द्र बाजपेई ,,सलमान अहमद ,स्वप्निल तिवारी,मयंक सैनी,अभिषेक कठेरिया, शहनवाज खान, सुरेंद्र गुप्ता,दानिश सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

कानपुर प्रेस क्लब में कैंप लगाकर नेत्र परीक्षण किया गया

सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव

सपा से इरफान की बीवी नसीम सोलंकी फाइनल

निवर्तमान सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा सुनाए जाने पर जल्द ही उपचुनाव संभावित
सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बनाई मजबूत रणनीति
पूरा विपक्ष एकजुट होकर नसीम सोलंकी लड़ाएगा चुनाव

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।भारतीय जनता पार्टी का गढ बढ चुके कानपुर में कई लहर और तूफानों में भी सीसामऊ विधानसभा सीट भाजपा की नहीं हो सकी है। इसको लेकर भाजपा के नीति नियंतताओं का दर्द अक्सर छलकता है। निवर्तमान सपा विधायक इरफान सोलंकी को आगजनी कांड में सजा सुनाए जाने के बाद सीसामऊ सीट पर उपचुनाव होने जा रहे हैं। सपा की ओर से कई लोगों ने चुनाव लडने के लिए दावे किए लेकिन सपा हाईकमान ने सबको सिर्फ एक नाम बता दिया है वह है नसीम सोलंकी का ।बीते दिनों लखनउ में अखिलेश यादव के साथ कानपुर के नेताओं के साथ मीटिंग भी हो चुकी हैं। इसमें तय हुआ है कि इरफान सोलंकी की बीवी नसीम सोलंकी ही उप चुनाव लडेंगी। वहीं, पूरा विपक्ष एकजुट होकर बीजेपी को हराने की रणनीति पर काम करेगा। इसको लेकर सपा में अंदरखाने फुल तैयारी हो चुकी है। यह उप चुनाव बीजेपी के लिए 'डू एंड डाई' जैसा है। वहीं, लोकसभा चुनाव में सपा को मिली बढत के बाद सपा भी पुराने फार्म में लौट आई है और आर-पार की जंग लडेगी क्यों कि सीसामऊ उपचुनाव का परिणाम शहर और आसपास की राजनीति में बडा असर डालेगी ।निवर्तमान सपा विधायक इरफान सोलंकी के पिता हाजी मुश्ताक सोलंकी शहर के सर्वमान्य नेता थे। वह आर्यनगर से लगाकर दो बार विधायक चुने जाते रहे। उनके निधन के बाद उनकी लोकप्रियता का फायदा उनके पुत्र इरफान सोलंकी को मिला। इरफान सोलंकी एक बार आर्यनगर से विधायक चुने गए।

ट्रैक्टर से दबकर युवक की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के डीघ गांव के पास चकमार्ग किनारे गहरे खेत में ट्रैक्टर पलट गया। जिसमे दबकर युवक की मौत हो गई। डीघ निवासी रामचंद्र सोनकर ने बताया की तीसरे नम्बर का बेटा धर्मेंद्र सोनकर साथ खेती किसानी में हाथ बटाता था। गुरुवार शाम वह ट्रैक्टर लेकर खेत की जुताई करने जा रहा था। चकमार्ग किनारे गहरे खेत में पहिया चले जाने से ट्रैक्टर पलट गया ।आस पास खेत में मौजूद लोगों ने हादसा देखा तो दौड़कर मौके पर पहुंचे। किसी तरह धर्मेंद्र को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी ।बताया कि बेटे की चार माह पूर्व दुआरी गांव निवासी नैना के साथ शादी हुई थी। बहू को गुरुवार को ही जाना था। जिसकी वह तैयारी कर रही थी। इसी बीच बेटे की मौत की जानकारी पर घर में कोहराम मच गया। इधर भाई अनिकेत मां सरोजनी को इलाज कराने कानपुर ले गया था। उसे भी हादसे की जानकारी मिली तो वह भी बेसुध हो गई।

देवीपुर चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। पुलिस मौके पर भेजी गई है।

शिक्षकों के जींस और टी-शर्ट पहनकर स्कूल आने पर रोक

शिक्षकों के जींस और टी-शर्ट पहनकर स्कूल आने पर रोक, शिक्षण कार्य के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे शिक्षक

बीपीएस न्यूज

कानपुर-लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शिक्षा विभाग ने बड़ी पहल शुरू की है। जिसकी पूरे प्रदेश में चर्चा हो रही है। इसके तहत परिषदीय विद्यालयों में अब पुरातन संस्कृति को अपनाया जाएगा। अब विद्यालय में महिला शिक्षकों को मैडम की जगह दीदी अथवा बहन जी कहकर बुलाया जाएगा जबकि पुरुष शिक्षकों के लिए गुरुजी शब्द का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे शिक्षकों को नमस्ते या जय हिंद कहेंगे। डीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने नई पहल को शुरू करते हुए परिषदीय विद्यालयों को आदेश जारी कर दिए हैं।

संभल जिले की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने बच्चों और शिक्षकों के कक्षाकक्ष में जूते-चप्पल पहनकर जाने पर भी रोक लगा दी है। उनका कहना है कि स्कूल शिक्षा का मंदिर होता है।

कक्षाओं के बाहर जूते-चप्पल रखने की व्यवस्था की जाए। साथ ही शिक्षक स्कूल में जींस और टी शर्ट पहनकर नहीं जा सकेंगे और पढ़ाने के दौरान मोबाइल के इस्तेमाल पर भी रोक रहेगी। बच्चे शिक्षकों से जय हिंद और नमस्ते बोलेंगे। बीएसए ने डीएम के आदेश पर सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेशित किया है कि वह अपने क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों और कार्यालयों में शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दें कि अपरिहार्य परिस्थिति व विभागीय उच्चाधिकारियों के ही फोन रिसीव करें। विद्यालय में बच्चों की कापियां जांचने के लिए केवल लाल स्याही वाली कलम का ही इस्तेमाल किया जाएगा। विद्यालय के निरीक्षण के समय कोई भी अधिकारी प्रधानाध्यापक की कुर्सी पर नहीं बैठेगा। विद्यालय व कार्यालय पूर्ण रूप से तंबाकू उत्पाद एवं प्लास्टिक रहित रहेंगे। किसी भी दशा में प्लास्टिक की पानी की बोतल एवं बर्तन का प्रयोग न किया जाए। निरीक्षण के समय ऐसा पाए जाने पर संबंधित को अर्थदंड से दंडित किया जाएगा और विभागीय अनुशासनात्मक की कार्यवाही की जाएगी। विद्यालयों/ कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी, सहायकों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों भारतीय गणवेश परिधान ही पहनें।बीएसए अलका शर्मा ने कहा कि पुरातन संस्कृति को धरातल पर उतारने के लिए यह कवायद शुरू की है। इस कदम से बच्चों के भीतर शिक्षकों के प्रति सम्मान बढ़ेगा और बच्चे संस्कारी बनेंगे। संभल बीएसए द्वारा जारी किए गए आदेश की चर्चा पूरे प्रदेश में जोर-शोर से हो रही है बच्चों के अभिभावक पूरे प्रदेश में इस आदेश को लागू करने की बात उठा रहे हैं।

उपचुनाव में भी लोकसभा वाली रणनीति बनाएगी सपा

अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

कानपुर-लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव सिर पर हैं, इनमें पीडीए को सामने रख जनता के बीच जाकर फिर सपा को विजयी बनाना है। इसके साथ ही 2027 में होने वाले विधानसभा के चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाना है। इन सभी चुनावों में युवाओं की निर्णायक और महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अखिलेश शनिवार को राज्य मुख्यालय में समाजवादी युवा संगठनों के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।अखिलेश ने कहा कि उच्च शिक्षितों के लिए भी नौकरी नहीं रह गई है और वे डिलीवरी मैन बनकर रह गए हैं। उन्होंने युवा संगठनों से नौजवान जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने सपा का सदस्यता अभियान चलाकर सक्रिय होने का भी निर्देश दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण के साथ शिक्षकों के सम्मान पर जोर दिया।अखिलेश ने कहा कि आबादी के अनुपात में आरक्षण के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में अग्निवीर भर्ती हो, पुलिस भर्ती हो या नीट परीक्षा, इनके पेपरलीक करके पीडीए को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है।

उन्होंने कहा कि सपा और पीडीए होने वाले उपचुनाव और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में जनहित के मुद्दे लेकर जाएगी।

स्कूलों में मनाया जायेगा शिक्षा सप्ताह

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होंगे आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के चार साल पूरे होने पर प्रदेश के सभी परिषदीय प्राइमरी और अपर प्राइमरी विद्यालयों समेत कम्पोजिट तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शिक्षा सप्ताह मनाया जायेगा। इसके लिए 22 से 28 जुलाई का समय निर्धारित किया गया है। गुरुवार को स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्देश में महानिदेशक ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) के चार साल पूरे होने पर 22 से 28 जुलाई तक स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शुरू किये गये परिवर्तनकारी सुधारों को लेकर महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। शिक्षा सप्ताह का उद्देश्य विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच सहयोग और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है तथा नीति निर्माताओं और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न हितधारकों की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। शिक्षा सप्ताह के दौरान अलग-अलग दिनों में कला व कौशल समेत अन्य प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम आयोजन की फोटो भी साझा करने के निर्देश दिए गये हैं। शिक्षा सप्ताह के अंतर्गत हर दिन गतिविधियां होंगी, इसमें टीएलएम डे, एफएलएन डे, स्पोर्ट्स डे, कल्चर डे, स्किलिंग और डिजिटल इंसटेटिव डे, इको क्लब सहित अन्य बिंदुओं को लेकर कार्यक्रम कराए जाएंगे।

डिप्टी सीएम पाठक ने किया कानपुर देहात में वृक्षारोपण

कानपुर देहात। कानपुर देहात के वृहद वृक्षारोपण के सम्पन्न हुये कार्यक्रम में बृजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वन विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से स्थापित ग्राम वन में हरिशंकरी (पीपल, बरगद एवं पाकड़)का विधिवत पूजन के साथ रोपण किया गया। तत्पश्चात उप मुख्यमंत्री जी द्वारा विशाल जन सभा को भी इस वृक्षारोपण जैसे पुनीत कार्य में योगदान करने तथा माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के एक पेड़ मां के नाम आह्वान को सफल बनाने हेतु उपस्थित जनप्रतिनिधियों, स्वयं सेवी सस्थानों, छात्र-छात्राओं एवं किसान भाइयों से अपील की गई। उन्होंने विश्वभर में जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इन सबके निदान हेतु पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ एवं पर्यावरण बचाओ के नारे को साकार करने हेतु प्रदेश सरकार की विगत पाँच वर्षों में किये गये पौधरोपण और उससे वनावरण में हो रही वृद्धि पर वृक्षारोपण महाभियान में जुडे विभागों को इस वर्ष और विशेष प्रयास करने का आह्वान किया।जिसमें जनप्रतिनिधियों, महिलाओं, विद्यार्थियों, सभी स्वयं सेवी संस्थाओं एवं कृषकों की जन सहभागिता से इस अभियान को सफल बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री के अतिरिक्त देवेन्द्र सिंह भोले माननीय सांसद, अकबरपुर द्वारा पीपल का पौधा तथा ब्लाक प्रमुख सरवनखेड़ा व विभिन्न जन प्रतिनिधियों के साथ कृष्ण कुमार सिंह मुख्य वन संरक्षक कानपुर मण्डल, जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, उप जिलाधिकारी, अकबरपुर, परियोजना निदेशक वीरेन्द्र

तुर्कीमऊ के गौशाला में कीचड़ में पल रहे गौवंश

जिला प्रशासन की तमाम कोशिशों के बाद भी गौशालाओं का भी बुरा हाल

कानपुर देहात। जिला प्रशासन अफसरों के साथ बैठक कर बार बार निर्देश दे रहे हैं लेकिन ग्राम पंचायत में तैनात सचिव अपनी मनमानी में उतारू हैं ।जिससे गोशाला के अंदर दल दल होने से गोवश लगातर गिरने से छोटे मवेशी भी घायल हो रहे हैं लेकिन जिला प्रशासन की तरफ़ से कोई उचित इंतज़ाम न होने से खमियाजा गौवंश को लेना पड़ रहा है। कल 12. बजकर 50 मिनट में स्वराज इंडिया के जिला संवादाता का कैमरा चमका था उस समय गोशाला के बाहर से ताला लगा था। केयर टेकर कोई मौजूद नहीं था। चारहि में सुखा भूसा भी पड़ा हुआ था। गोशाला के अंदर पानी टंकी भरने के बाद पानी नली से बाहर जा रहा था। कई बार ग्राम प्रधान को कॉल के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास भी किया लेकिन फिर भी संपर्क नही हो सका। गोशाला के अंदर गंदगी का साम्राज्य स्थापित दिखाई दे रहा है लेकिन अफसर फिर भी ध्यान नही दे रहे है। जबकि पूर्व बीडीओ शिव गोविन्द पटेल ने निरीक्षण किया था उस समय सचिव अभय यादव की तैनाती थी पूर्व बीडीओ ने मिट्टी डलवाने के निर्देश दिए थे लेकिन पूर्व सचिव अपनी मनमानी करते रहे लेकिन पूर्व बीडीओ की भी नही सुनी। जिसके द्वारा आज गौशाला में गंदगी का आलम दिखने को मिल रहा है। उक्त बाबत पर बीडीओ मलासा संजू सिंह से संपर्क किया उनके द्वारा बताया गया है कि मामले की जानकारी मिली है जल्द ही उसमे साफ सफाई तथा पानी निकलने का इंतज़ाम और मिट्टी का काम कराया जायेगा सचिव को निर्देश दिए जा चुके हैं।

29 को लखनऊ में डीजी कार्यालय का घेराव करेंगे शिक्षक नेता

शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक संयुक्त संघर्ष मोर्चा की हुई बैठक, 29 जुलाई के धरने के लिए बनाई गई रणनीति ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों का नहीं थम रहा है आक्रोश

कानपुर देहात। शनिवार को संयुक्त मोर्चा ने बीआरसी अकबरपुर में 29 जुलाई को महानिदेशक कार्यालय के घेराव हेतु रणनीति बनाने के लिए बैठक का आयोजन किया जिसमें मोर्चे के सभी घटक संगठनों ने प्रतिभाग किया। संघर्ष मोर्चा के संयोजक उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह राजावत ने कहा कि सोमवार को प्रदेश के सभी शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों ने जिला अधिकारी कार्यालय के घेराव किया था जिसके क्रम में मंगलवार को सभी संगठनों की बैठक शासन द्वारा बुलाई गई थी लेकिन संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने ऑनलाइन अटेंडेंस स्थगित किए बिना वार्ता से इनकार कर दिया था जिसपर शासन ने ऑनलाइन अटेंडेंस को फिलहाल स्थिति कर दिया है जोकि शिक्षक अनुदेशक शिक्षामित्र की समस्याओं का स्थाई हल नहीं निकला है। यह शिक्षकों की क्षणिक जीत है उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) के जिलाध्यक्ष एल बी सिंह ने कहा कि शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशकों की समस्याओं के समाधान होने तक मोर्चे के पूर्व घोषित कार्यक्रम जारी रहेंगे और 29 जुलाई को बेसिक शिक्षा निदेशालय का घेराव किया जाएगा। महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष अंजलि गौड़ ने कहा कि ऑनलाइन अटेंडेंस किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जायेगी। अटेवा के जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि ऑनलाइन अटेंडेंस को स्थगित नहीं निरस्त किया जाए।

शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल, श्याम सिंह भदौरिया ने शिक्षामित्रों की समस्याओं का समाधान न होने तक आंदोलन को जारी रखने की बात कही वहीं अनुदेशक संघ के जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव ने कहा कि अनुदेशकों से फुल टाइम वर्क लिया जा रहा है और पार्ट टाइम का मानदेय मिल रहा है । इतने अल्प मानदेय में खर्चा चला पाना मुमकिन नहीं है जब तक सरकार समान कार्य के लिए समान मानदेय नहीं देगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अटेवा मीडिया प्रभारी कुलदीप सैनी ने कहा कि पूर्ववत कार्यक्रम के तहत 29 जुलाई को संयुक्त संघर्ष मोर्चा बेसिक शिक्षा निदेशालय राजधानी लखनऊ में एकत्रित होकर अपनी मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन करेगा। आज महानिदेशक कार्यालय के घेराव की रणनीति बनाई गई है। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती तब तक हम सभी शिक्षक साथी अपने अपने विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर कार्य करते हुए विरोध दर्ज करते रहेंगे। ऑनलाइन हाजिरी / डिजीटलाईजेशन कतई स्वीकार नहीं किया जायेगा। किसी भी प्रकार से ऑनलाइन हाजिरी के नाम पर किसी भी शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक का उत्पीड़न स्वीकार नहीं करेंगे। अन्त में सभी से 29 जुलाई को शिक्षा महानिदेशक कार्यालय पर भारी संख्या में एकजुट होकर पहुंचने का आह्वान किया गया। इस दौरान अशोक सिंह राजावत, प्रमोद पाण्डे, अशोक शुक्ला, एल बी सिंह, संजय सचान, राहत अली, देवेन्द्र सचान, प्रदीप कुमार यादव, कुलदीप सैनी, प्रताप भानु सिंह गौर, अखिलेश पाल, अंजलि गौड़, गजेन्द्र सिंह,रवि सचान, सन्दीप कुमार, राहुल, सुमन, धीरेन्द्र कुशवाहा, विनीत मिश्रा, लोकेन्द्र सचान, महेन्द्रपाल, श्याम सिंह, पुष्पेन्द्र यादव आदि लोग मौजूद रहे।

रिश्ते तार-तार: बेरहम चाचा बना भतीजे का हत्यारा, दिनदहाड़े मारी गोली

बीपीएस न्यूज

इटावा । इटावा जिले में चौबिया थाना क्षेत्र के मूंज रमपुरा गांव में खेत जोतने के विवाद में चाचा ने भतीजे को गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी मौके से बंदूक लहराते हुए फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। साथ ही, घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।

रमपुरा मूंज निवासी राजवीर उर्फ पंचू (30) पुत्र वीरेंद्र सिंह शुक्रवार दोपहर एक बजे खेत जोतने की जानकारी पर फर्दपुरा की पुलिया से खेतों की तरफ जा रहा था। उसके साथ दिव्यांग भाई भूरे सिंह भी था। राजवीर जैसे ही पुलिया से उतरकर अपने खेतों की तरफ चला ।तभी आरोपी चाचा उदयवीर ने अपने चार साथियों के साथ पीछे से आकर लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दी। मौके से बंदूक लहराते हुए खेतों से होते हुए भाग गया। आसपास खेतों में धान की रोपाई कर रहे ग्रामीणों ने जब गोली की आवाज सुनी तो भागकर मौके पर पहुंचे।

फोरेंसिक टीम ने इकट्ठा किए हैं साक्ष्य

घटना की जानकारी राजवीर के परिजनों को दी गई। इस बीच राजवीर के परिजनों ने हत्यारोपी के भाई श्यामवीर को पीट दिया। सूचना पर थानाध्यक्ष बेचन कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य इकट्ठा कराए। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

कुछ लोगों को हिरासत में लेकर हो रही है पूछताछ

एसएसपी संजय कुमार वर्मा, एसपी ग्रामीण सत्यपाल सिंह, एसडीएम विक्रम राघव भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि खेत जोतने को विवाद में चाचा ने भतीजे को लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर हत्या की है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पीठ में लगने के बाद सीने में लगी गोली

जिले में चौबिया क्षेत्र के रमपुरा मूंज गांव में जमीन के विवाद को लेकर राजवीर उर्फ पंचू के चाचा ने लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। गोली पीठ में लग जाने के बाद सीने में जाकर लगी, जिससे राजवीर की मौके पर ही मौत हो गई।

बंदूक लहराते हुए मौके से भागा आरोपी

हत्यारोपी खुलेआम दिनदहाड़े बंदूक लहराते हुए मौके से भाग गया। भागते समय पास के ही गांव नगला रामसनेही के ग्रामीणों ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो उसने बंदूक का भय दिखाते हुए पीछे हट जाने की बात कही, जिससे ग्रामीण पीछे हट गए।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

तब तक सूचना पर यूपी 112 पुलिस पहुंच गई। लेकिन तबतक आरोपी मौके से बंदूक लहराते हुए फरार हो गया। दिनदहाड़े घटना होने से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राजवीर छह भाइयों में चौथे नंबर का था। उसकी मौत के बाद पत्नी संध्या का रो-रोकर बुरा हाल है।

फैसला राजवीर के पक्ष में आ रहा था

उसके दो पुत्र शिवम (02) और 2 माह के एक पुत्र है। बताया गया कि दो साल से दोनों पक्षों में पट्टे की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष अपना-अपना हक जता रहे थे। जिसको लेकर मुकदमा कोर्ट में चल रहा है। अगले माह फैसले की तारीख लगी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार फैसला राजवीर के पक्ष में आ रहा था, इसी बात से नाराज हत्याआरोपी ने अपने भतीजे को गोली मारकर हत्या कर दी।

पहले भी हो चुकी हैं जमीन विवाद को लेकर तीन हत्याएं

चौबिया क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर पहले भी तीन हत्याएं हो चुकी हैं। 18 फरवरी 2019 को मिल्किया गांव में उपेक्षा से त्रस्त होकर पुत्र ने पिता विजय बहादुर को मौत के घाट उतार दिया था। चार अगस्त 2019 को संतोषपुरा गांव में नवरतन भदोरिया के साथ मारपीट व फायरिंग हुई थी। जिसमें नवरतन की एक दिन बाद मौत हो गई थी। 20 अगस्त 2019 को टकपुरा गांव निवासी 70 वर्षीय वृद्ध मुलायम सिंह की भतीजे ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी।

कार से आए चोर फाइनेंस मैनेजर के बंद घर से ले गए सात लाख के जेवर व नकदी, जांच में जुटी पुलिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर में हनुमंत विहार थानाक्षेत्र के बौद्धनगर निवासी फाइनेंस मैनेजर के बंद मकान से कार से आए चोर करीब सात रुपये के जेवर और नकदी पार कर ले गए। सुबह घर का मेन गेट खुला होने पर पड़ोसी ने उन्हें सूचना दी। शहर पहुंचने पर फाइनेंस मैनेजर को घर का मेन गेट व कमरों के ताले टूटे मिले। उन्होंने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हनुमंतविहार थानाक्षेत्र बौद्धनगर निवासी विनय दीक्षित लखनऊ में ऑटोमोबाइल कंपनी में फाइनेंस मैनेजर हैं। वह पत्नी नीता संग लखनऊ में रहते हैं, जबकि बेटा दिल्ली की कंपनी में मैनेजर है और बेटी मुंबई है। बौद्धनगर में विनय ज्यादातर शुक्रवार से रविवार तक ही रहते हैं। विनय ने बताया कि शनिवार सुबह घर के सामने रहने वाली सीमा सिंह ने फोन पर मकान का गेट खुला होने की सूचना दी। बताया कि रात में एक कार भी बाहर खड़ी थी, लेकिन सुबह नहीं दिख रही है। ऐसे में उन्हें चोरी की आशंका हुई और वह लखनऊ से शहर आए।

चोरों ने मेनगेट समेत घर के तीन दरवाजों के ताले तोड़े थे। चोर अलमारियों में रखे करीब सात लाख रुपये के जेवर, 12 हजार रुपये नकद और अन्य सामान ले गए। साथ ही टूटे हुए ताले भी साथ ले गए। पड़ोसियों के मुताबिक, जैसी कार विनय की है, वैसी ही कार रात के समय गेट पर खड़ी थी, इसलिए किसी को शक नहीं हुआ। हनुमंतविहार थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि घर के आसपास के कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

सावन में बाबा आनंदेश्वर में रहेगी कड़ी सुरक्षा

पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। 22 तारीख को श्रावण मास की शुरुआत हो रही है। जिसको लेकर लाखों की तादाद में भक्त बाबा आनंदेश्वर मंदिर आते हैं। इसी को लेकर कानपुर

पुलिस आयुक्त अखिल श्री कुमार जी ने आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया। महंतों और सेवादारों के साथ बैठक करके उन्होंने जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर सेवादारों के लिए ड्रेस कोड भी बनाया गया जो अपने हाथों से सीपी अखिल कुमार ने सेवादारों को सौंपा। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि बीते सावन के महीनों में गंगा का जलस्तर कम होता था जिसके चलते भक्तों के आने और जाने के रास्ते अलग-अलग थे लेकिन इस बार गंगा का जलस्तर बढ़ चुका है तो एक ही रास्ते से भक्त आएंगे भी और जाना भी उसी रास्ते से होगा, जिसको लेकर दुकानदारों से अपील की गई है कि वह अपनी दुकान है थोड़ा पीछे कर लें उन्होंने बताया कि सीसीटीवी के माध्यम से भी पूरे मंदिर परिसर की निगरानी की जाएगी। भक्तों की सुरक्षा के लिए जल पुलिस के जवान भी गंगा तट पर तैनात होंगे। किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए कानपुर का पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी मौके पर आनंदेश्वर मंदिर कोठारी वशिष्ठ गिरी जी परमट पार्षद जितेन्द्र बाजपेई और आनंदेश्वर व्यापारिक सेवा समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र वाजपेई अपने सभी व्यापारी भाइयों और सेवादारों की पुरी टीम के साथ उपस्थित रहे।

बिल्डर शौकत अली का 1.36 करोड़ का पेंट हाउस होगा सील, गैंगस्टर एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

बीपीएस न्यूज

इटावा । इरफान सोलंकी के साझेदार बिल्डर शौकत अली उर्फ शौकत पहलवान का सिविल लाइंस में बना आलीशान पेंट हाउस भी पुलिस जल्द सील करेगी। जाजमऊ पुलिस ने किरायेदार को 24 घंटे के भीतर पेंट हाउस खाली करने का नोटिस दिया है। रविवार को कार्रवाई हो सकती है। इसकी कीमत 1.36 करोड़ रुपये है। जाजमऊ में नजीर बानो के प्लॉट में हुई आगजनी मामले में इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी, साझीदार सिविल लाइंस निवासी बिल्डर शौकत समेत कई आरोपी जेल में बंद हैं ।पुलिस ने इरफान, रिजवान, शौकत समेत कई लोगों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। इरफान के गैंग में शामिल शौकत की भी काली कमाई से खड़ी की गई संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सिविल लाइंस स्थित कार्नर-दो अपार्टमेंट के टॉप फ्लोर पर बने शौकत की पत्नी पूर्व सभासद आयशा बेगम के नाम के पेंट हाउस को सील किया जाना है। इसमें रहने वाले किरायेदार नदीम को शनिवार को 24 घंटे के भीतर पेंट हाउस खाली करने का नोटिस दिया गया है। अगर तय समय पर पेंट हाउस खाली नहीं किया, तो सामान बाहर निकालकर संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के (14-ए) की कार्रवाई के तहत अटैच कर लिया जाएगा।

पुलिस को शौकत के खास ने दी पेंट हाउस की जानकारी

शौकत पहलवान के पास अरबों की संपत्ति है। पुलिस अब तक 50 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत सील कर चुकी है। इस पेंट हाउस की जानकारी पुलिस को नहीं थी। जांच के दौरान शौकत के एक खास ने पुलिस को पत्नी के नाम पर बने पेंट हाउस की जानकारी दी थी।

पेंट हाउस अपार्टमेंट या ऊंची इमारत के टॉप पर बना आरामदायक बड़े-बड़े कमरों का फ्लैट होता है। सबसे टॉप फ्लोर पर होने की वजह से बिल्डिंग में एक ही पेंटहाउस बन सकता है।

गलत ढंग से राशन दुकान निलंबित करने में लपेटे में एसडीएम

- पीड़िता ने पुलिस आयुक्त से की मामले की शिकायत
- अपना पक्ष रखने गई पीड़िता को एसडीएम ने धमकाया
- सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने कहा गांधीगिरी से करेंगे आंदोलन

बीपीएस न्यूज

बिल्हौर। एसडीएम बिल्हौर द्वारा अरौल ग्रामसभा का राशन कोटा दूसरे ग्राम निवादा शाह के ग्रामीणों के बयानों के आधार पर निलंबित कर देने का एक मामला प्रकाश में आया है। जिसने बिल्हौर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को नए सिरे से परिभाषित कर दिया है। मामले में अपना पक्ष लेकर पहुंची दलित कोटेदार राम बेटी को सपा नेत्री रचना गौतम के सामने ही जमकर धमकाया गया और कहा गया कि मामले को ज्यादा तूल दिया तो एफआईआर लिखवा दूंगी। एसडीएम बिल्हौर के इस बयान के बाद से बवाल मच गया है। सपा नेत्री रचना गौतम दलित कोटेदार के साथ खड़ी हो गई हैं। उधर पीड़ित कोटेदार ने पुलिस आयुक्त कानपुर नगर को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की जांच कराए जाने की मांग की है ।पुलिस आयुक्त कानपुर को दिए गए शिकायती पत्र में अरौल के अडंगापुर निवासी पीड़िता रामबेटी ने बताया है कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। गांव में उसकी सरकारी उचित दर विक्रेता राशन की दुकान है। आरोप लगाया है कि एसडीएम बिल्हौर रश्मि लांबा, आपूर्ति निरीक्षक ओम प्रकाश राणा और ग्राम प्रधान पति अरौल आनंद करन उर्फ मुन्ना की सह पर गलत ढंग से स्वयं एसडीएम ने कूटरचित दस्तावेज तैयार करके गलत ढंग से राशन दुकान का निलंबन कर दिया है। कूटरचित दस्तावेजों में ग्राम नेवादा शाह के करीब 36 ग्रामीणों के बयान लेकर उन्हें अरौल का दर्शा दिया गया है। इतना ही नहीं अरौल के 10 वर्ष पूर्व मृत हो चुके सूरज प्रसाद और रामवती के बयान अंकित कर दुकान निलंबित की गई है। पीड़िता ने कहा कि जब वह अपनी शिकायत लेकर ग्रामीणों के साथ एसडीएम रश्मि लांबा के पास पहुंची तो वह आगबबूला हो गईं। और मेरे द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों को लेने की बजाय राशन दुकान बहाल कर देने का बहाना बनाकर धोखे से सादे कागजों पर दस्तखत और अंगूठा लगवा लिए। पीड़िता ने एसडीएम कार्यालय से पत्रांक संख्या 966 और पत्रांक संख्या 1004 पर जारी आदेश भी प्रस्तुत किए। दोनों आदेशों में कई ग्रामीणों के नाम एक ही हैं। आरोप है कि प्रधान पति पर कई आपराधिक मुकदमें भी दर्ज हैं। पीड़िता ने कहा है कि उक्त लोग मेरे और मेरे परिवार की हत्या करवा सकते हैं। पीड़िता ने एसडीएम, आपूर्ति निरीक्षक और ग्राम प्रधान पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

तीन दिन में 3500 रुपये प्रतिकिलो गिरी चांदी, सोना भी हुआ कम

कानपुर। सहालग खत्म होने के बाद भी तेजी दिखा रहे सोना-चांदी के दाम शनिवार को गिर गए। बीते तीन दिन में चांदी के भाव में प्रति किलो 3500 रुपये और सोने के भाव में प्रति दस ग्राम 1100 रुपये की कमी दर्ज की गई। जानकारों का कहना है कि अगले सप्ताह आम बजट आने वाला है। इससे पहले भावों में उठापटक देखने को मिल सकती है ।17 जुलाई को सोने का भाव प्रति दस ग्राम 76250 रुपये हो गया था। इस साल 21 मई को सोने का भाव अब तक के उच्चतम स्तर 76350 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गया था। 21 मई को ही चांदी ने मूल्य के मामले में रिकार्ड बनाया था। इस दिन इसका भाव प्रति किलो 95700 हो गया था। सहालग 15 जुलाई को खत्म हो गई थी। उम्मीद जताई गई थी भाव अगले दिन से कम होंगे। इसके उलट भाव तेजी से बढ़कर पूर्व रिकार्ड मूल्य के नजदीक पहुंच गए थे। अब इसमें गिरावट देखी जा रही है। उप्र सराफा एसोसिएशन के मंत्री रामकिशोर मिश्रा ने बताया कि अब भाव में गिरावट आई है। बजट आने से पहले और गिरावट या तेजी आगे देखने को मिल सकती है।

थाना प्रभारी के स्थानांतरण पर दी गई भव्य विदाई

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात ।बरौर थाने में तेजतर्रार थाना प्रभारी का स्थानांतरण हो जाने के चलते शनिवार को पुलिसकर्मियों द्वारा थाने में उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया ।वहीं नवागत थाना प्रभारी कालीचरण कुशवाहा के आगमन पर फूल माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया ।बताते चलें कि गुरुवार देर रात्रि पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने जनपद कानपुर देहात में करीब आधा दर्जन थाना प्रभारियों का तबादला कर दिया ।इसी क्रम में थाना प्रभारी बरौर का स्थानांतरण रूरा थाने में हो जाने के चलते शनिवार को थाने में उनका विदाई आयोजित किया गया ।तेजतर्रार थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने 7 अक्टूबर 2024 को बरौर थाने की कमान संभाली थी ।उन्होंने अपने 10 महीने के कार्यकाल में अपराध नियंत्रण के साथ साथ घटित घटनाओं का उद्भेदन करने में सफलता पाई और क्षेत्र में शांति व्यवस्था को कायम रखा। पुलिसकर्मियों तथा क्षेत्रवासियों ने फूल माला पहनाकर तथा अंगवस्त्र भेंटकर उन्हें भावभीनी विदाई दी ।थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने भी अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया ।विदाई समारोह के मौके पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों से मुझे जो प्रेम, स्नेह,सहयोग और सम्मान मिला है मैं उसे कभी भुला नहीं पाऊंगा ।उन्होंने थाना स्टाफ को पूरी कर्मठता के साथ बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया ।थाना प्रभारी ने कहा कि शासकीय सेवा में तबादला होना एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है लेकिन मैं भरोसा दिलाता हूं जहां भी रहूंगा आप लोगों से सदैव जीवंत संपर्क बनाए रखूंगा।

अयोध्या मार्ग पर हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। अयोध्या हाईवे पर देर रात हुए हादसे का मंजर बहुत भयावह था। गर्भवती नीलम का पेट फट गया था। घटनास्थल की जमीन खून से लाल हो गई थी। यह देख हर किसी की रूह कांप गई। बगल में रहने वाले उमेश के भाई और अन्य परिवार वाले बिलख रहे थे। लेकिन, सभी बेबस थे, क्योंकि चंद सेकंड में उनके अपनों की सांसें थम चुकी थीं।

आसपास खून के साथ मांस के लोथड़े पड़े थे। कई शव क्षत-विक्षत हो गए थे। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह से सभी शव सील कर पोस्टमार्टम हाउस भिजवाए। परिवार वालों ने बताया कि उमेश आठ महीने से हाईवे किनारे झोपड़ी डालकर रह रहे थे। जब डंपर पलटा तो तेज धमाका हुआ। आसपास की झोपड़ियों में रहने वाले लोग और राहगीर सहम गए। दहशत का माहौल हो गया। कुछ देर तक समझ ही नहीं आया कि आखिर नुकसान क्या हुआ है। जब धरम सिंह व उनका परिवार आया तब पता चला कि उनके चाचा का परिवार हादसे का शिकार हो गया।झोपड़ी के भीतर तीनों बच्चे सनी(13), गोलू(4) व बेटी वैष्णवी (7) एक तख्त पर सो रहे थे। पर, वैष्णवी हादसे में बच गई। जबकि अन्य सभी की मौत हो गई। वैष्णवी को कोई चोट भी नहीं आई। लोग यही बोल रहे थे, जाको राखे साइयां, मार सके न कोय...। माता-पिता और दोनों भाइयों को खोने से वैष्णवी को सदमा लगा है।हादसा होते ही गोंडा निवासी चालक पंकज और क्लीनर बाहर निकले। दोनों घायल थे। गुस्साए लोगों ने उनको पीटा भी, लेकिन वे भागने लगे। कुछ दूर जाकर वे गिर गए। पुलिसकर्मियों की उन पर नजर पड़ी। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पंकज के पैर टूट गए हैं। क्लीनर के हाथों में चोटें हैं।

गुरू पूर्णिमा: गोरखनाथ मंदिर में सीएम ने किया रूद्राभिषेक

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। गोरखपुर। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहितों ने रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया।

गुरू गोरक्षनाथ की पूजा के बाद सीएम योगी ने नाथपंथ के सभी योगियों की समाधि स्थल और देवी-देवताओं के मंदिर में जाकर विशेष पूजन किया।

उन्होंने सभी के कल्याण और लोकमंगल की कामना की। अपने गुरु का वंदन अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गुरु गोरखनाथ की विधि विधान से पूजा के बाद अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

गुरू पूर्णिमा का पर्व गोरखनाथ मंदिर में खास रहता है। इस मौके पर गोरखनाथ मंदिर में शिष्यों की भीड़ जुटी होती है। गुरु पूजन के

बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों के बीच आएंगे।बारी-बारी से शिष्य, गोरक्षपीठाधीश्वर तक पहुंचेंगे और उन्हें तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद लेंगे। गुरु पूर्णिमा ऐसा पर्व है जिसे देश में हर कोई बड़े आदर व सम्मान के साथ मनाता है। यह परंपरा हिंदू धर्म के सभी पंथों में सम्मान पूर्वक मनाई जाती है।गुरु पूर्णिमा का पर्व हर साल बड़े ही भव्य तरीके से गोरखनाथ मंदिर में भी मनाते हैं। इस दिन गुरु रूप में गोरक्षपीठाधीश्वर को भक्त तिलक लगाकर उनसे आशीर्वाद ग्रहण करते हैं। ये आयोजन भी मंदिर परिसर में ही होगा। इस दौरान गुरु गोरखनाथ को फूल मालाओं से सजाया जाएगा।इसके अलावा अन्य देवी देवताओं की भी पूजा-अर्चना होगी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में चल रहे श्रीरामकथा की पूर्णाहुति भी होगी। इस दौरान गोरखनाथ मंदिर के भ्रमण के दौरान सीएम योगी बच्चों को देखकर रुक गए। अपने पास बुलाया और उनसे बातचीत की। छोटे बच्चों को देखते ही योगी वातसल्य प्रेम में रम जाते हैं। अपने पास बुलाकर गोद में लिया और बच्चों को चॉकलेट भी भेंट की।

बरेली में माहौल बिगाड़ने की कोशिश: शिव मंदिर में तोड़फोड़ लोगों ने आरोपी पकड़ा

बरेली। बरेली में माहौल खराब करने की कोशिश की गई। रविवार को सुबह एक युवक ने डेलीपीर अनाज मंडी में स्थित शिव मंदिर में तोड़फोड़ कर दी। स्थानीय लोगों ने उसे मौके से पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर दी। बरेली में सावन माह की शुरुआत से एक दिन पहले शहर में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। रविवार को सुबह समुदाय विशेष के युवक ने डेलापीर अनाज मंडी में स्थित शिव मंदिर में मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। आसपास के लोगों ने मौके से उस युवक को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई कर दी। मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों के लोग भी पहुंच गए। उन्होंने हंगामा कर दिया।

सूचना पर इज्जतनगर थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की।

योगी सरकार के इस फैसले से नाराज मुस्लिम संगठन, कहा- मदरसों को कमजोर करने की कोशिशें नहीं होगी बर्दाश्त

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, धार्मिक और राष्ट्रीय मुस्लिम संगठनों और मदरसों के नेताओं ने एक संयुक्त बयान में विभिन्न राज्यों में मदरसों को कमजोर करने के प्रयासों की निंदा की है और कहा है कि उनके संस्थानों पर कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बयान में कहा गया है कि हम, देश के नागरिक, विभिन्न बहानों से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में मदरसों की स्थिति और पहचान को कमजोर करने के प्रयासों की कड़ी निंदा करते हैं। हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों

यानी मदरसों के संबंध में राज्य सरकारों को जारी किए गए निर्देश अवैध हैं और आयोग के अधिकार क्षेत्र से परे हैं।

यह तब आया है जब उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव ने जिला अधिकारियों को मदरसों का सर्वेक्षण करने और छात्रों को गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों (स्वतंत्र मदरसा) से सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। 8,449 गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों स्वतंत्र मदरसों की एक सूची प्रकाशित की गई है, जिसमें दारुल उलूम देवबंद, दारुल उलूम नदवातुल उलेमा, लखनऊ, मजाहिर उलूम सहारनपुर, जामिया सलाफिया वाराणसी, जामिया अशरफिया मुबारकपुर, मदरसतुल इस्लाह सरायमीर, और जामिया अल फलाह बलेरियागंज जैसे प्रसिद्ध और ऐतिहासिक संस्थान शामिल हैं।

जिला मजिस्ट्रेट इन संस्थानों से छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने के लिए दबाव डाल रहे हैं। मुख्य सचिव का यह सर्कुलर और जिला अधिकारियों का दबाव पूरी तरह से अवैध है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त, जिला प्रशासन ने गैर-मुस्लिम छात्रों को इन स्कूलों से हटाकर सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया है, जो उनके चुनने के व्यक्तिगत अधिकार और हमारी संयुक्त भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर हमला है।

अब मुस्लिम छात्रों पर भी शिक्षा का अधिकार कानून के तहत बुनियादी शिक्षा हासिल करने का दबाव डाला जा रहा है. उन्होंने कहा कि अनुपालन न करने की स्थिति में इन मदरसों के प्रशासकों को कार्रवाई की धमकी दी जा रही है। मध्य प्रदेश में, सरकार ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए मदरसों में छात्रों को प्रतिदिन सरस्वती वंदना करने के लिए बाध्य किया है। संयुक्त बयान में कहा गया है.हम, मुस्लिम धार्मिक और राष्ट्रीय संगठनों के जिम्मेदार सदस्य, और धार्मिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों के प्रमुख, यह स्पष्ट करना आवश्यक समझते हैं।

लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर के संचालन पर महाकुंभ से पहले मचा घमासान, सीएम योगी तक पहुंचा मामला

प्रयागराज। संगम पर हनुमान मंदिर कॉरिडोर योजना महाकुंभ से पहले ही विवादों के घेरे में आ गई है। मंदिर परिसर के संचालन के लिए प्रशासनिक ढांचा और व्यवस्था बनाने संबंधी प्रस्ताव पीडीए बोर्ड की बैठक में पारित होने के बाद निरंजनी अखाड़े के संत खफा हैं। संतों ने प्रशासन के इस निर्णय को गलत और सनातन संस्कृति पर चोट पहुंचाने वाला बताया। महंत ने चेताया कि मंदिर में पूजा-पाठ साधु-संतों का काम है, इसमें बेवजह प्रशासन को दखलअंदाजी नहीं करनी चाहिए।संगम पर 40 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर परियोजना के धरातल पर उतरने से पहले ही रार मच गई है। मंदिर परिसर के संचालन की जिम्मेदारी प्रयागराज विकास प्राधिकरण को देने संबंधी प्रस्ताव का निरंजनी अखाड़े ने विरोध जताया है। इस मंदिर का प्रबंधन और संचालन निरंजनी अखाड़ा लंबे समय से करता आ रहा है।निरंजनी अखाड़े के महंत के पास ही लेटे हनुमान मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी होती है। महाकुंभ से पहले धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हनुमान मंदिर कॉरिडोर योजना कुंभ मेला प्रशासन की ओर से तैयार की गई है। इसके लिए मंदिर के पास स्थित 11589 स्क्वायर मीटर जमीन सेना से ली गई है। सेना को इसके एवज में पीडीए नीवां गांव के पास भूमि दे रहा है। इसमें 535 स्क्वायर मीटर में बड़े हनुमान मंदिर का भव्य गर्भगृह और परिक्रमा पथ बनाया जाएगा।कॉरिडोर एरिया के लिए 2184 स्क्वायर मीटर भूमि निर्धारित की गई है। इस कॉरिडोर क्षेत्र में पाथवे के अलावा पूजा-प्रसाद, फूल-माला की दुकानें और भक्तों के लिए 6176 स्क्वायर मीटर खुला क्षेत्र बनाया जाएगा। ऐसे ही कॉरिडोर के लिए 1310 स्क्वायर मीटर और पैदल परिक्रमा पथ के लिए 760 स्क्वायर मीटर भूमि प्रस्तावित की गई है। शुक्रवार को पीडीए बोर्ड की बैठक में इस मंदिर परिसर के संचालन के लिए प्रशासननिक ढांचा बनाने के प्रस्ताव पर पर मुहर लगने के बाद मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने कड़ा प्रतिवाद किया है।उनका कहना है कि लेटे हनुमान मंदिर 4870 वर्ग मीटर भूमि पर बना है। यह भूमि मठ मंदिर के नाम से है। इससे सेना और पीडीए का कोई लेना देना नहीं है। कॉरिडोर का निर्माण सेना की अलग भूमि पर होना है। ऐसे में पीडीए को इस तरह का औचित्यहीन प्रस्ताव नहीं लाना चाहिए। अगर इसे वापस नहीं लिया जाएगा तो संत समाज इसकी रक्षा के लिए खड़ा होगा।

मुशायरे में शबीना अदीब की प्रस्तुति पर भाजपा सदस्यों ने आपत्ति जताई

बीपीएस न्यूज

मेरठ। उत्तर भारत के ऐतिहासिक नौचंदी मेला के पटेल मंडप में शनिवार रात आयोजित होने वाले अखिल भारतीय मुशायरे में एक कवयित्री (शायरा) को यहां प्रस्तुति देने से कथित तौर पर इसलिए रोक दिया गया क्योंकि उन्होंने पूर्व में सरकार के खिलाफ एक आपत्तिजनक कविता पढ़ी थी।शबीना अदीब की प्रस्तुति पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय सदस्यों ने आपत्ति जताई थी। कवयित्री शबीना अदीब को शनिवार को यहां नौचंदी मेले में आयोजित अखिल भारतीय मुशायरे में प्रस्तुति देनी थी।राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के महासचिव और पूर्व मंत्री मेराजुद्दीन अहमद ने कहा, ''एक साजिश के तहत शबीना अदीब का शायरी पढ़ते हुए एक पुराना वीडियो प्रसारित किया गया। उन्हें कार्यक्रम में प्रस्तुति देने से रोक दिया गया, जो बहुत बुरा है। बाद में अदीब भी सहमत हो गईं और यह कहते हुए प्रस्तुति देने नहीं आई कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है।''अहमद मेला की आयोजन समिति के प्रमुख हैं। भाजपा के नगर अध्यक्ष सुरेश जैन रितुराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''शबीना अदीब ऐसी कविताएं (शायरी) पढ़ती हैं जो सांप्रदायिक सौहार्द के लिए अच्छी नहीं हैं। इससे तनाव पैदा हो सकता है। जब हमें इस बारे में पता चला तो हमने प्रशासन से अनुरोध किया कि उन्हें यहां प्रस्तुति देने के लिए न बुलाया जाए।

संक्षिप्त .....

बनारस में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, मुस्लिम महिलाओं ने मनाई गुरु पूर्णिमा, महंत की उतारी आरती

बीपीएस न्यूज

वाराणसी। वाराणसी। काशी में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पातालपुरी मठ के महंत बालकदास का मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पूजन-अर्चन किया। विधि-विधान से बालकदास की आरती उतारकर उनसे आशीर्वाद भी लिया गया। गंगा-जमुनी तहजीब के साथ रविवार को पातालपुर मठ में विधि-विधान से कई अनुष्ठान हुए। परिसर में फूल-मालाओं के साथ सभी महंत और संन्यासियों की भी पूजा-अर्चना की गई। विशाल भारत संस्थान और मुस्लिम महिला मंच की महिला कार्यकर्ताओं की ओर से हुए इस आयोजन की काफी प्रशंसा हो रही है।

दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, लूट का सामान, बाइक बरामद

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दंपती के साथ 20 दिन पहले हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो लुटेरों को गिरफ्तार कर लूट का सामान और बाइक बरामद की है। दोनों शातिर लुटेरे हैं। उन पर कई मुकदमे दर्ज हैं।

सदर कोतवाली के शेखपुर नरी निवासी राजकुमार रावत एक जुलाई को पत्नी और बच्चे के साथ बाइक से ससुराल हिंदूखेड़ा जा रहे थे। कानपुर-लखनु हाईवे पर नवीन मंडी के पास बाइक सवार दो लुटेरों ने उनकी पत्नी का पर्स लूट लिया था। पीड़ित के मुताबिक, पर्स में मोबाइल, झुमकी, सोने का लॉकेट और पांच हजार रुपये थे। लूट की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी।

शुक्रवार रात गदनखेडा चौराहे के पास वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने कानपुर नगर के थाना अहिरवां के सैनिक नगर निवासी जयशिव गुप्ता और किदवई नगर जूही लाल कालोनी के आकिल उर्फ अकील उर्फ सन्नू को बाइक सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने लूट की घटना स्वीकार की। जयशिव गुप्ता पर कानपुर के अलग-अलग थानों में 11 और आकिल पर कानपुर और गंगाघाट कोतवाली में 21 मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेश कुमार दीक्षित, हेड कांस्टेबल भालचंद्र, प्रभाकर राय, भइयालाल, संजीव कुमार आदि शामिल हैं।

राजधानी क्षेत्र में शामिल होगा पूरा जिला

बीपीएस न्यूज

बाराबंकी। आजादी के बाद पहली बार बाराबंकी जिले के विकास के लिए सबसे बड़ी पहल हुई है। दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर लखनऊ समेत छह जिलों को शामिल कर बनाए जा रहे राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) में पूरा बाराबंकी जिला आएगा। इसके लिए सीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी में बाराबंकी के डीएम भी पदेन सदस्य होंगे।

छह जिलों को मिलाकर बनाए जा रहे राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) में पहले बाराबंकी के बंकी, देवा, हरख व निंदूरा ब्लाकों के 234 गांव शामिल करने की तैयारी थी। बीते दिनों कैबिनेट की बैठक में इस पर मुहर लगने के बाद इसे लेकर आपत्तियां भी मांगी गई थी। इनके निस्तारण के बाद शुक्रवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने एससीआर की अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली व बाराबंकी को मिलाकर करीब 27826 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल एससीआर में शामिल होगा। इसमें बाराबंकी जिले का 4402 वर्ग किमी क्षेत्रफल आएगा।

जिला प्रशासन के अनुसार बाराबंकी का कुल क्षेत्रफल 3891.55 वर्ग किलोमीटर है। संभावना जताई गई है कि कभी बाराबंकी जिले में शामिल होने वाली अयोध्या जिले की रूदौली तहसील का हिस्सा भी इसमें जोड़ा जाएगा। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि इसे लेकर आगे की कार्रवाई शासन के निर्देशानुसार होगी।

एससीआर के बाद डिवाइडर वाली चमचमाती सड़कें, मेट्रो परियोजना, औद्योगिक गलियारा, विभिन्न प्रकार के उद्योगों की सौगात जिले को मिलेगी। साथ ही पूरे जिले का नियोजित तरह से विकास भी हो सकेगा। एससीआर की परिधि में बाराबंकी की करीब आठ लाख की आबादी आएगी। इसका असर पूरे जिले पर पड़ेगा।

अनियोजित प्लाटिंग व कॉलोनियां के निर्माण पर अंकुश लगेगा। नियमावली बनाई जाएगी। इसी के तहत पूरे क्षेत्र की मैपिंग होगी। नाला-नाली निर्माण से लेकर सड़क बनाने तक के लिए जांच की प्रक्रिया से गुजरना होगा। आवासीय और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा जमीनों के लिए कर का निर्धारण भी अलग से हो सकता है।

गोंडा ट्रेन एक्सीडेंट : बरती गई लापरवाही, संयुक्त जांच में दावा- कसी हुई नहीं थी पटरी, 41 कर्मचारी तलब

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना की जांच कर रहे वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की पांच सदस्यीय टीम ने दुर्घटना के लिए ठीक से नहीं कसी हुई पटरी को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पैनल के एक सदस्य इस दावे से सहमत नहीं हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उत्तर पूर्व रेलवे जोन के मुख्य जन संचार अधिकारी ने कहा कि सयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना जल्दबाजी होगी और यह गलत होगा। उन्होंने कहा, रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की ओर से जांच पहले ही शुरू हो चुकी है और पहली सुनवाई शुक्रवार को हुई। यह तकनीकी विशिष्टताओं और सूक्ष्म विवरणों के साथ दुर्घटना के हर पहलू का विवरण देगी। कई महत्वपूर्ण चीजें सामने नहीं आती हैं संयुक्त जांच में, इसलिए यह बहुत अपरिपक्व है। बृहस्पतिवार को चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 14 कोच बेपटरी हो गए थे। हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई थी। एजेंसी

जांच टीम की रिपोर्ट में कहा गया है कि लखनऊ डिवीजन, जिसके अंतर्गत यह सेक्शन आता है, के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (एसएसई) ने दोपहर 1:30 बजे आईएमआर दोष (तत्काल निष्कासन दोष) का पता लगाया और चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ने 2:28 बजे मोतीगंज स्टेशन को पार किया। इसमें कहा गया कि दोपहर 2:30 बजे मोतीगंज के स्टेशन मास्टर को खराब स्थान से ट्रेनों को पार करने के लिए गति नियंत्रण का ज्ञापन दिया गया था। उसके मुताबिक, खराब स्थान से 30 किमी प्रति घंटे की गति से ही ट्रेन को पार कराया जाना था। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन दोपहर 2:31 बजे बेपटरी हुई, जब इंजन खराब जगह से गुजरा।

नाम ने छीना काम... हिंदू-मुस्लिम मालिकों ने कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के लिए कहा

बीपीएस न्यूज

मुजफ्फरनगर। कांवड़ मार्गों की खाने-पीने की दुकान पर संचालकों का नाम और पहचान अनिवार्य कर दिए जाने से दुकानदारों में बेचैनी बढ़ गई है। सरकार के फैसले के साथ ही मुजफ्फरनगर में कांवड़ मार्ग की दुकानों पर दुकानदारों ने अपने नाम वाले फ्लैक्स लगा रहे हैं। ढाबों से मुस्लिम कर्मचारी भी कांवड़ यात्रा तक के लिए हटाए जा रहे हैं। कई जगह स्वेच्छा से ही कर्मचारियों ने आने से इन्कार कर दिया है। पिछले सात वर्षों से एक दिहाड़ी मजदूर ब्रिजेश पाल श्रावण के दो महीनों के दौरान मुजफ्फरनगर के खतौली इलाके में एक सड़क किनारे ढाबे पर काम करता था

ताकि अपने मुस्लिम मालिक को ग्राहकों, मुख्य रूप से कांवरियों की भारी भीड़ को प्रबंधित करने में मदद मिल सके। इस काम के लिए उन्हें 400-600 रुपये और हर दिन कम से कम दो वक्त का खाना मिलता था।हालांकि, इस साल उनके मालिक मोहम्मद अरसलान ने उन्हें अन्य नौकरियों की तलाश करने के लिए कहा है। क्योंकि वह अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखने में सक्षम नहीं थे। उन्हें लग रहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा होटल रेस्तरां, भोजनालय के मालिकों को दिए गए आदेशों के कारण उनकी कमाई पर असर पड़ेगा। कांवर यात्रा मार्ग पर चलने वाली गाड़ियों और भोजनालयों को अपने आउटलेट पर अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने होंगे। यह आय का एक अच्छा स्रोत था क्योंकि इस मौसम में अन्य नौकरियां ढूंढना बहुत मुश्किल होता है, क्योंकि मानसून के मौसम में निर्माण और कृषि कार्य ज्यादा नहीं होते हैं, जहां मुझे एक मजदूर के रूप में नौकरी मिल सके। मैंने एक सप्ताह पहले ही ढाबे पर काम करना शुरू किया था, लेकिन अब मालिक ने मुझे कहीं और काम तलाशने के लिए कहा है।छोटे फल विक्रेताओं और ढाबों को डर है कि इस कदम से उनकी कमाई बुरी तरह प्रभावित होगी।ढाबे के मालिक अरसलान ने कहा कि उन्हें डर है कि उनके मुस्लिम नाम के कारण कांवड़िए उनके यहां खाना नहीं खाएंगे। इस मार्ग पर हर तीसरे ढाबे की तरह, मेरे ढाबे का नाम बाबा का ढाबा है।मेरे आधे से अधिक कर्मचारी हिंदू हैं।हम यहां केवल शाकाहारी भोजन परोसते हैं और श्रावण (मानसून) के दौरान लहसुन और प्याज का उपयोग करने से भी बचते हैं।सरकार के आदेश ने न केवल मुस्लिम मालिकों और उनके कर्मचारियों की कमाई पर असर डाला है।

श्रावण मास: कांवड़ यात्रा आज से प्रारम्भ होकर 19 अगस्त तक चलेगा

घाटों पर सुरक्षात्मक व्यवस्था बनाये रखने हेतु दिए गए कड़े निर्देश

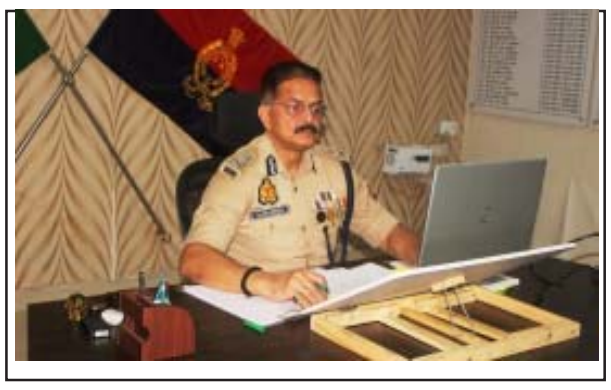

बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्रावण मास का मुख्य पर्व श्रावण शिवरात्रि 2 अगस्त को मनाया जायेगा। इस श्रावण मास में कुल 05 सोमवार 22 जुलाई 29 जुलाई 05 अगस्त 12 अगस्त व 19अगस्त) पड़ेंगे। पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं द्वारा स्नान करने तथा प्रमुख मन्दिरों पर जल चढ़ानें व कुछ कांवडियों द्वारा गंगा जल लेकर गोला गोकर्णनाथ मन्दिर, लखीमपुर खीरी व महादेवा मन्दिर जनपद बाराबंकी जाने हेतु गंगा जल लिया जाता है, जिन नदियों/ घाटों से जल लिया जाता है, उनमें से कानपुर जोन के जनपद फतेहगढ़ में गंगा नदी पर पांचाल घाट, श्रगीरामपुर घाट, ढाई घाट, अटैना घाट, जनपद कन्नौज में मेंहदीघाट, वियासर घाट, जलेसर घाट व जनपद झाँसी में धसान नदी पर देवरी घाट व बेतवा नदी पर झरर घाट तथा जनपद ललितपुर में राजघाट प्रमुख है। कानपुर जोन में कुल 300 शिवालय है, जिनमें से 41 शिवालय प्रमुख है, जहाँ पर 2000 से अधिक श्रद्धालुओं का आवागमन रहेगा, जिनमें से विशेष मन्दिर जहाँ पर अत्यधिक श्रद्धालुओं का आवागमन रहेगा, उनमें कानपुर देहात का नीलकंठ मन्दिर, जनपद इटावा का हजारी महादेव मन्दिर, औरैया का देवकली मन्दिर, कन्नौज में बाबा गौरीशंकर मन्दिर व दौलेश्वरनाथ मन्दिर तथा झाँसी में केदारेश्वर मन्दिर हैं। कांवड़ियों द्वारा जल लेकर मन्दिरों पर चढ़ानें हेतु जोन में 20 प्रमुख छोटे-बड़े मार्ग हैं, जिनमें से जनपद कन्नौज के 03 व फतेहगढ़ के 02 व झाँसी का 01 मार्ग प्रमुख है। आकस्मिकता की स्थिति में रूट डायवर्जन हेतु 09 मार्ग चिन्हित किये गये हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से नदी घाटों पर खतरे के निशान बनाये व रस्से आदि लगाये गये हैं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किये गये हैं। पर्व पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कांवडिया संघ, आयोजकों, सीमावर्ती जनपदों/प्रान्तों तथा अन्य विभागों के साथ थाना / जनपद मुख्यालय स्तर पर अब तक कुल 165 बैठके आयोजित की जा चुकी हैं। जोन स्तर पर कुल 41 हॉटस्पॉट चिन्हित किये गये हैं, जिन पर विशेष सुरक्षा प्रबन्ध किये गये हैं। कावंड मार्गों, प्रमुख मन्दिरों तथा घाटों पर सतर्क दृष्टि रखने हेतु 1020 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं तथा 59 क्यू0आर0टी0 एवं यू0पी0-112 के चार पहिया वाहन 120 व दो पहिया वाहन-70 नियुक्त किये गये हैं। घाटों पर सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से जल पुलिस-02 प्लाटून, गोताखोर-68 व 94 नावों की व्यवस्था की गई है। सकुशल संचालन एवं सुरक्षा के दृष्टिगत कानपुर जोन को 09 सुपर जोन, 25 जोन एवं 123 सेक्टरों में विभक्त कर सभी स्थानों पर कुल राजपत्रित अधिकारी-45 अराजपत्रित पुलिस कार्मिक कुल-5840 तथा पीएसी-03 कम्पनी, 02 प्लाटून नियुक्त किये गये हैं। श्रावण मास व कांवड यात्रा पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर/ झाँसी परिक्षेत्र तथा कानपुर जोन के 08 जनपद प्रभारियों को सभी स्थानों यथा-कांवड मार्ग, शिवालयों तथा नदी/घाटों पर सुरक्षात्मक व्यवस्था बनाये रखने हेतु कडे निर्देश दिये गये हैं।

अवैध कब्जे पर पार्षद ने हंगामा और नारेबाजी के बाद दिया ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। साउथ सिटी के गोविंदपुरी स्टेशन को कब्जा मुक्त करने के लिए रविवार को पार्षद नवीन पंडित ने मोर्चा खोल दिया। पार्षद ने बताया कि अफसरों की साठगांठ से स्टेशन के चौतरफा अवैध कब्जे हो गए हैं। इससे स्टेशन का विकास कार्य प्रभावित हो रहा और यात्रियों को सबसे अधिक मुसीबत उठानी पड़ती है। पार्षद ने कहा कि अवैध रूप से बने धार्मिक स्थल को भी हटाया जाए। विरोध प्रदर्शन करने के साथ ही ज्ञापन दिया।दक्षिण विकास मोर्चा की ओर से रविवार को गोविंदपुरी स्टेशन के अवैध कब्जे को खाली करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे पार्षद नवीन पंडित ने बताया कि गोविंदपुरी विस्तार में आ रहे अवैध कब्जे दूर करने की मांग की है। पार्षद और उनके समर्थकों ने कहा कि राष्ट्रीय संपति से अवैध कब्जा मुक्त हो गोविंदपुरी, चाहे भले ही इसमें धार्मिक स्थल हो या अन्य कब्जे। स्टेशन का विस्तार किसी भी सूरत में नहीं रुकना चाहिए। इस दौरान पार्षद के समर्थकों ने नारे लगाते हुए कहा कि ऐसी क्या मजबूरी है की राष्ट्रीय अवैध कब्जा ना हटाना मजबूरी है, रेल प्रशासन जाओ जागो..., आरपीएफ, जीआरपी जागे, के नारे लगाते हुए चौकी के अंदर पहुंच गए। इस दौरान रेलवे चौकी इंचार्ज पवन कुमार फोर्स के साथ मौजूद थे, पार्षद ने उन्हें अवैध कब्जा हटाने को लेकर ज्ञापन दिया।

श्री हंस मंदिर में धूमधाम से मनाया गया गुरु पूजा महोत्सव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में श्री हंस मंदिर श्याम नगर बाईपास पर श्री सतपाल जी महाराज प्रेरणा से गुरू पूजा महोत्सव कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक समाजसेवी अजय कपूर रहे तत्पश्चात साध्वी प्रज्ञा बाई जी, साध्वी संपदा बाई जी, साध्वी नेहा बाई, साध्वी इंद्रावती बाई जी, महात्मा निहालानंद जी ने अपने सत्संग विचार रखें अंत में श्री हंस मंदिर प्रभारी साध्वी चंदन बाई जी ने गुरु पूजा महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु पूजा का पावन पर्व एक भक्त के जीवन में बड़ा ही महत्व रखता है गुरु शब्द का अर्थ गू माने अंधकार और रू माने प्रकाश जो अंधकार से प्रकाश में ला देता है उसी को हम सद्गुरु कहते हैं हर मोड़ पर गुरु का जीवन में होना अति आवश्यक है परंतु आत्मा का ज्ञान तो सदगुरु महाराज ही देते हैं यदि हम भौतिक विद्या सीखना चाहते हैं तो उसमें अध्यापक की आवश्यकता होती है अगर हम अंग्रेजी भाषा का ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं तो अंग्रेजी अध्यापक की आवश्यकता होती है नेपाली भाषा सीखनी हो तो नेपाली अध्यापक के पास जाना होता है ऐसी यदि हमें अध्यात्म ज्ञान की विद्या प्राप्त करना है तो हमें अध्यात्म ज्ञान के जानकार के पास जाना होगा जिन्हें हम आध्यात्मिक गुरु या सतगुरु कहते हैं अंत में सर्वे भवन्तु सुखिनः की मंगलमय प्रार्थना से कार्यक्रम का समापन हुआ द्य कार्यक्रम में मुख्य रूप से शैलेंद्र पाल , अंबुज शुक्ला, गिरधारी लाल गुप्ता, शैलेंद्र सेंगर , डॉक्टर आर पी वर्मा, डॉएनके सिंह देवेंद्र उत्तम , सुशील पोरवाल, संदीप गुप्ता,श्रीकांत , अमित यादव, यतेंद यादव, राजेंद्र वर्मा, माया दीक्षित, मिथिलेश सोनी, गोलू पाल, आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे ।

पुलिस आयुक्त ने आनन्देश्रर मंदिर पुजारी व भक्त गणों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सावन माह के पहले सोमवार को बाबा आनंदेश्वर परमट मंदिर में दर्शन के संदर्भ में पुलिस आयुक्त अखिल कुमार द्वारा आनन्देश्वर मंदिर परिसर में मंदिर के पुजारी व भक्तगणों के साथ मीटिंग कर सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में चर्चा कर कमियों को दूर करने एवं मंदिर में आने वाले श्रद्धालुयों को किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए पुख्ता इंतजाम करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था हरीश चन्दर, पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल राजेश कुमार सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल संतोष कुमार मीना, सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज श्री महेश कुमार व प्रभारी निरीक्षक ग्वालटोली मय पुलिस बल मौजूद रहे।

सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा उत्तर की कवायत हुई तेज

पूर्व वरिष्ठ नेताओं को शक्ति केंद्र का प्रवासी नियुक्त किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा उत्तर की आगामी सीसामऊ विधान सभा के होने वाले उप चुनाव को लेकर कार्यालय नवीन मार्केट में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने की व संचालन संतोष शुक्ला ने किया। बैठक के मुख्य अतिथि कानपुर बुंदेलखंड के अध्यक्ष प्रकाशपाल ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी, विधायक नींलिमा कटियार, प्रकाश शर्मा, पूर्व विधायक महेश बाल्मीकि, पूर्व महापौर रविंद पाटनी, रघुनंदन भदौरिया, विनोद शुक्ला जैसे वरिष्ठ नेताओं व जिले के महामंत्री उपाध्यक्ष और पदाधिकारियों को एक एक शक्ति केंद्र का प्रवासी नियुक्त किया है। जो चुनाव तक प्रतिदिन अपने शक्ति केंद्र पर प्रवास करेगें। जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने कहा हमारे वरिष्ठ प्रवासी नेता गण मतदाता संवर्धन से लेकर बूथ पर रहने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ बैठेंगे। बूथ पर रहने वाले प्रभावशाली वोटर्स से मुलाकात करेंगे। विधानसभा के प्रत्येक मंडल में दो हजार नए वोटर को बढ़ाने का पार्टी का लक्ष्य पूरा करेगे। बैठक में प्रमुख रूप से अवदेश सोनकर, राजू शर्मा, अनिल दीक्षित, जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा, जन्मेजय सिंह, दिवाकर मिश्रा, सतेंद्र पांडे, सुनील नारंग श्रीकृष्ण दीक्षित, पूनम कपूर, प्रमोद द्विवेदी, अभिमन्यु सक्सेना, गौरव पांडे, करण यादव, विवेक पांडे, अंकुर शुक्ला आदि प्रमखु रूप से उपस्थित थे।

विभागीय माध्यम से फाइल न पहुंचने पर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दी वार्निंग

नगर पार्पद, ठेकेदारों के हाथों में फाइलें लेकर न घूमें, सिस्टम से चलना होगा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम में विकास कार्यों की फाइलें लेकर घूम रहे ठेकेदारों और पार्षदों पर नगर आयुक्त मदन सिंह गर्ज्याल ने सख्ती कर दी है। अब डाक या विभागीय अधिकारियों के जरिए ही पहुंचने वाली फाइलों पर नगर आयुक्त की कलम चलेगी।

अभी तक पत्रों को विभागीय अधिकारी और विभागाध्यक्ष बिना मुहर लगाकर ही भेज रहे थे। इसके साथ ही कई पत्र बिना डाक में चढ़ाए ही नगर आयुक्त तक भेजे गये। कई ठेकेदार और पार्षद भी फाइल लेकर सीधे पहुंच गए। इस पर नगर आयुक्त ने कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुये विभागीय कार्यों में बड़ा बदलाव किया है। नगर आयुक्त ने पांच पाइंट को ध्यान में रखकर ही पत्रावलियों को चलाने के आदेश जारी किए हैं। नगर आयुक्त ने नगर निगम, जलकल समेत सभी विभागों को आदेश देते हुये कहा कि कोई भी पत्रावली विभागीय डाक के माध्यम से रजिस्टर में चढ़ाने के बाद ही नंबर और दिनांक लिखने के बाद ही प्रेषित की जाए। पत्रावलियों में अधिकारियों के हस्ताक्षर के साथ ही सुस्पष्ट नाम एवं पद नाम की मुहर होनी जरूरी है। सरकारी फाइलों के मूवमेंट के लिए एक पूरा सिस्टम बना हुआ है। किसी भी कार्य का प्रस्ताव पास होने के बाद उसकी फाइल तैयार होती है। इसके बाद जिस पटल की फाइल होती है, रजिस्टर में चढ़ाकर फाइल आगे अधिकारी को भेजी जाती है। ऐसे ही फाइल चलती है।इसके बाद फाइनली नगर आयुक्त के पास पहुंचती है और शाइन होने के बाद पेमेंट के लिए जाती है। फाइलें लेकर सरकारी कर्मचारी ही एक विभाग से दूसरे विभाग लेकर जाते हैं। लेकिन सेटिंग के चलते ठेकेदार खुद ही फाइलें लेकर घूमते थे और अधिकारियों से पास करा लेते थे।

लड़के से बात करने के शक में डेढ़ साल से लिव-इन में रह रही प्रेमिका की गला काटकर हत्या

बीपीएस न्यूज

कानपुर। डेढ़ साल तक लिव-इन में रहने के बाद प्रेमी ने महिला का गला काट दिया। प्रेमी को शक था कि प्रेमिका उससे छिपकर किसी और से बात करती थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ था। गुस्से में प्रेमी ने वारदात को अंजाम दिया। उसके बाद फरार हो गया।प्रेमिका को गंभीर हालत में लखनऊ में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस तहरीर मिलने पर कार्रवाई करने की बात कह रही है। घटना शनिवार को गुजैनी की है। यहां एच - ब्लॉक में मधु (40) अपने 4 बेटों के साथ रहती थी। उसके पति की डेढ़साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद घर चलाने के लिए वह अपने 17 साल के बड़े बेटे के साथ दादा नगर की एक फैक्ट्री में जॉब करती थी। बेटे ने बताया कि काम के दौरान सुरेश से मां की नजदीकी बढ़ गई थी। वह अक्सर हमारे घर आया करता था। कई बार मां के साथ ही जॉब पर जाता था। कुछ दिन बाद सुरेश हमारे घर में ही रहने लगा था। कुछ दिन तक तो उसका बर्ताव बहुत ही अच्छा था, लेकिन बाद में वह मां पर बात-बात पर शक करने लगा था। उसको लगता था कि मां किसी और से भी मोबाइल पर बात करती है।

शनिवार को मां और सुरेश के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद सुरेश ने मां की बेरहमी से पिटाई की। फिर चाकू से गला रेत दिया।

उसके बाद वह भाग गया। वारदात के समय घर में कोई नहीं था। जैसे ही मां के घायल होने की सूचना मिली। उसे गंभीर हालत में हैलट अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया। लेकिन उसकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे लखनऊ के केजीएमयू रेफर कर दिया। इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। उसकी मौत की सूचना मिलते ही रिश्तेदार बच्चों के साथ लखनऊ पहुंच गए। इस मामले में एसीपी गोविंद नगर अमरनाथ यादव ने बताया- आरोपी सुरेश की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। तहरीर मिलते ही हत्या की स्नद्धक्रदर्ज कर उसे अरेस्ट करके जेल भेजा जाएगा। महिला का लखनऊ में ही पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार होगा।

आज से शुरू होगा 6 दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व विद्यालय स्थिति मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे।डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।